●वर्ष-5
●अंक-200
रायपुर, बुधवार
08 अप्रैल 2026
●पृष्ठ-8
●मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8› राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे...

असम, केरल और पुदुचेरी में थमा चुनाव प्रचार

9 अप्रैल को मतदान, 4 मई को नतीजे

नई दिल्ली । असम, केरल और पुदुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम 5 बजे समाप्त हो गया। इसके साथ ही चुनाव आयोग के निर्देशानुसार साइलेंस पीरियड लागू हो गया है। इन तीनों क्षेत्रों की कुल 296 सीटों (असम-126, केरल-140, पुदुचेरी-30) पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा, जबकि मतों की गिनती 4 मई को होगी।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के तहत मतदान से 48 घंटे पहले साइलेंस पीरियड प्रभावी हो जाता है। इस अवधि में किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार, टीवी-रेडियो प्रसारण, रैलियों या मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री के प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध रहता है।

असम विस चुनाव

असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। नामांकन वापसी के अंतिम दिन 67 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। इनमें केवल 59 महिला उम्मीदवार हैं, जो कुल का लगभग 8 प्रतिशत है, जबकि महिला मतदाताओं की भागीदारी करीब 50 प्रतिशत है।

राज्य में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को समाप्त हो रहा है।

केरल विस चुनाव

केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यहां प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला त्रिकोणीय है, जिससे चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र हो गई है। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों का बहुमत आवश्यक है।

राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा 2.42 लाख से अधिक प्रवासी मतदाता भी मताधिकार के पात्र हैं।

पुदुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हो रहा है, जिनमें 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों का बहुमत जरूरी है।

यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए 1,099 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 610 शहरी और 489 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं।

तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में भी चुनावी गतिविधियां

इस बीच तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो चुकी है और उम्मीदवार 9 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकते हैं।

तमिलनाडु की 234 सीटों और पश्चिम बंगाल के पहले चरण की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि पश्चिम बंगाल के दूसरे चरण की 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे।

ट्रंप की धमकी

आज रात पूरी सभ्यता खत्म होगी, ईरान ने कहा- ऐसा जवाब देंगे, जिसे भूल नहीं पाओगे

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की आज रात पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी पर ईरान ने पलटवार किया है। ट्रंप की धमकियों का जवाब देते हुए, दक्षिण अफ्रीका स्थित ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा, आपको और आपके सहयोगियों को ईरान की प्रचीन सभ्यता से एक ऐसा करारा प्रहार झेलगा पड़ेगा जिसे आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

दूतावास ने फरवरी में अमेरिकी-इजरायली हमलों के दौरान मीनाब में मारे गए एक बच्चे की शोक संतप्त मां की तस्वीर भी साझा की। ये हमले अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और एक प्राथमिक विद्यालय पर टार्गेटेड मिसाइल हमलों के बाद हुए थे। इन हमलों में लगभग 170 स्कूली छात्राएं मारी गईं थी। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बहुत बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि आज रात पता चल जाएगा। शायद कुछ क्रांतिकारी और अद्भुत घटित हो सकता है, कौन जाने ? ट्रंप ने धमकी भरे अंदाज में कहा कि आज रात एक पूरी सभ्यता मिट जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। मैं नहीं चाहता ऐसा हो, लेकिन ऐसा ही होगा।उन्होंने कहा कि हमें आज रात पता चल जाएगा, यह दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण पलों में से एक होगा। ट्रंप ने यह चेतावनी ईरान के लिए तय की गई डेडलाइन से करीब 12 घंटे पहले दी है। इस डेडलाइन के तहत ईरान को मंगलवार को एक समझौते पर राजी होना था, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना शामिल था।

परंपरा पर आधारित नियम भेदभाव पर नहीं: सुप्रीम कोर्ट

सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर सुप्रीम कोर्ट में बोली केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केरलम में मौजूद सबरीमाला मंदिर को लेकर केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को अपनी बात रखी। केंद्र सरकार ने कहा कि पूजा की जगह में कौन जा सकता है, यह लिंग भेदभाव का मामला नहीं है, बल्कि यह धार्मिक रीति-रिवाजों, मान्यताओं और देवता के खास स्वरूप पर आधारित है।केरलम के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं, सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ आज से इस पर सुनवाई कर रही है।वकील इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या यह मामला बरीमाला केस की समीक्षा पर सुनवाई का है, या फिर यह केवल रेफर किए गए 7 सवालों के जवाब देने तक ही सीमित रहेगा। केंद्र ने सुनवाई से पहले अपने लिखित जवाब में कहासबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर रोक इसलिए है, क्योंकि भगवान अयप्पा को 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' माना जाता है, यानी उन्होंने जीवन भर ब्रह्मचर्य का पालन किया। इसका महिलाओं की शुद्धता या उनकी स्थिति से कोई संबंध नहीं है। यदि महिलाओं को प्रवेश दिया जाता है, तो वहां की पारंपरिक पूजा-पद्धति बदल जाएगी। इससे संविधान द्वारा संरक्षित धार्मिक विविधता पर असर पड़ सकता है।

दरअसल, धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव के मुद्दे पर जारी इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट सबरीमाला के अलावा मस्जिदों में महिलाओं की एंट्री, दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला का खतना और दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिलाओं को धार्मिक स्थलों में जाने का अधिकार मिले या नहीं, कोर्ट इस पर भी फैसला करेगा।सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशनधार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े ये सवाल पिछले 26 साल से देश की अलग-अलग अदालतों में पेंडिंग हैं। सुप्रीम कोर्ट में आज से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई होगी।

9 जजों की बेंच के सामने सुनवाई के 5 मुद्दे

1. सबरीमाला मंदिर में महिलाओं का प्रवेश- सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में सभी उम्र की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश करने का अधिकार दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा। अब बड़ी बेंच तय करेगी कि हाईकोर्ट का फैसला सही था या नहीं। मंदिर के पुजारी समेत कुछ संस्थाओं ने 10 से 50 साल की महिलाओं को प्रवेश की इजाजत देने के फैसले का रिव्यू करने के लिए मंदिर के पुजारी समेत कुछ संस्थाओं ने याचिका लगाई है।

2. दाऊदी बोहरा समुदाय में महिलाओं का खतना- दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला खतना के मुद्दे पर 2017 में एडवोकेट सुनीता तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

3. मस्जिदों में महिलाओं का प्रवेश- यास्मीन जुबैर अहमद पीरजादा नाम की महिला ने 2016 में मुस्लिम महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट तय करेगा कि क्या मुस्लिम महिलाओं को मस्जिद में नमाज पढ़ने से रोका जा सकता है?

4. पारसी महिलाओं का अग्निमंदिर में प्रवेश- 2012 में पारसी महिला गुलरुख एम गुप्ता ने हिंदू व्यक्ति से शादी की। उन्हें पारसी धर्मस्थलों में प्रवेश से रोका जाने लगा। उन्होंने इसके खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में पारसी महिलाओं के धार्मिक अधिकार को लेकर याचिका लगाई। 5. मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़े लैंगिक भेदभाव के प्रश्न- धार्मिक गतिविधियों में जेंडर के आधार पर भेदभाव को क्या मौलिक अधिकार का हनन माना जा सकता है?

प्रमुख समाचार

16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है।जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में स्ल्क्ष के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था।अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

नवजोत कौर सिद्धू ने बनाई नई पार्टी

नईदिल्ली। कांग्रेस से निष्कासन के बाद भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने बड़ा राजनीतिक कदम उठाते हुए अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया है. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर क्भारतीय राष्ट्रवादी पार्टीक्क के गठन की घोषणा की. अपने बयान में नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व के कामकाज का गहराई से मूल्यांकन करने के बाद एक राष्ट्रीय स्तर पर नया विकल्प तैयार करने की दिशा में काम किया गया है. उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य देश और लोगों की सेवा करना है तथा जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है. उन्होंने अपने संदेश में आध्यात्मिक सोच और क्सत्य व प्रेमक्क के मार्ग पर चलने की बात कही. साथ ही यह भी कहा कि समान विचारधारा वाले लोगों के साथ मिलकर हर राज्य में न्याय, शांति और सेवा के लक्ष्य के साथ काम किया जाएगा. पंजाब को लेकर उन्होंने विशेष रूप से कहा कि उनकी पार्टी राज्य को उसकी क्षुरानी पहचानक्क दिलाने के लिए काम करेगी.

हाईकोर्ट में केजरीवाल की दलील कहा- ये जज हमारा केस न सुनें

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को एक अजीब नजारा देखने को मिला। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल खुद अदालत में आए और मांग की कि जो जज उनका केस सुन रही हैं, वो इस केस से हट जाएं। ष्टक्च्ढ्ढ ने इसे नाटक कहा, जज ने अर्जी ले ली और अगले सुनवाई के लिए 13 अप्रैल की तारीख दे दी। यह पूरा मामला दिल्ली में कुछ साल पहले शराब की दुकानों के लिए एक नई नीति बनाई गई से शुरू हुआ। आरोप लगा कि इस नीति में बड़ा घोटाला हुआ, गलत लोगों को फायदा पहुंचाया गया और पैसों का लेनदेन हुआ। सीबीआई ने इस मामले में केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 और लोगों को आरोपी बनाया। 27 फरवरी को निचली अदालत ने कहा कि सीबीआई का पूरा केस बेहद कमजोर है। उसमें कोई दम नहीं है। और सभी 23 लोगों को आरोपों से मुक्त कर दिया। यानी केजरीवाल और बाकी सब बरी हो गए। अदालत ने सीबीआई को भी जमकर फटकार लगाई। सीबीआई को यह फैसला मंजूर नहीं था। वो हाईकोर्ट चली गई। वहां यह केस जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के पास आया।

असम पुलिस ने पवन खेड़ा के दिल्ली आवास की तलाशी ली

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम पुलिस की टीम मंगलवार को कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची। दिल्ली पुलिस की मौजूदगी में असम पुलिस ने खेड़ा के घर पर छानबीन की। इस दौरान खेड़ा घर में मौजूद नहीं थे। असम पुलिस के अपर पुलिस आयुक्त देबोजीत नाथ के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी की ओर से पवन खेड़ा के खिलाफ गुवाहाटी स्थित क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गयी प्राथमिकी के सिलसिले में पूछताछ के लिए हम यहां आए। हमें इस केस के सिलसिले में पवन खेड़ा की तलाश थी, लेकिन वह नहीं मिले और उनके घर की तलाशी ली गई। हमें कुछ आपत्तिजनक सामान मिला है। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ज़ब्त कर लिए गए हैं। वह कहां हैं, यह अभी पता नहीं है, लेकिन उन्हें ढूंढ लिया जाएगा। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि असम पुलिस की टीम पवन खेड़ा के निजामुद्दीन पूर्व स्थित आवास पर पूर्वाह्न 11 बजे पहुंची थी और दोपहर 01 बजे के बाद यहां से लौट गयी।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा सबसे भ्रष्ट: खड़गे

असम। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को दावा किया कि असम विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन 126 सीटों में से 72-73 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भारत में सबसे भ्रष्ट नेता हैं तथा उनके खिलाफ लगे आरोपों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को टिप्पणी करनी चाहिए।खड़गे ने दावा किया, कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन असम में अगली सरकार बनाने जा रहा है। हम 72-73 सीटें जीतेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री शर्मा पर निशाना साधा। खड़गे ने आरोप लगाया, भारत में कोई भी मुख्यमंत्री उनके जैसा अहंकारी नहीं है। हिमंत विश्व शर्मा केवल अपने परिवार के विकास के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शर्मा के कैबिनेट का हर सदस्य भ्रष्ट है और उन सभी के पास हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति है। मैं असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर मोहन भागवत की प्रतिक्रिया चाहता हूं।

ममता को बढ़त, भाजपा जमीनी काम में जुटी

कल्याणी शंकर

ओपिनियन पोल के ताजा अनुमानों के अनुसार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लगातार चौथी बार ऐतिहासिक कार्यकाल हासिल करने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है और ममता की स्थिति को चुनौती देने के लिए पर्याप्त महत्वाकांक्षी है। इस बीच, कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.आई.) दोनों ने अपना प्रभाव खो दिया है। ममता के लिए मुख्य संदेश यह है कि भाजपा का उदय इन पारंपरिक दलों की कीमत पर हुआ है।

बंगाल में राजनीतिक मुकाबला तेज हो गया है, जिससे यह चुनाव राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया है। यह गतिशीलता एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राजनीतिक परिदृश्य को बढ़ावा देती है। टी.एम.सी. के पास स्पष्ट बढ़त है, जिसकी 119 सीटें 'बेहद मजबूत' और अतिरिक्त 95 सीटें 'मजबूत' श्रेणी में हैं। ममता बनर्जी नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र में अपने पूर्व सहयोगी और भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी का सामना कर रही हैं। भाजपा ने सुवेंदु को भाजपा के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया है। भाजपा ने अपना अभियान ममता बनर्जी के 15 साल के शासन के दौरान टी.एम.सी. की आलोचना करने पर केंद्रित किया है। पिछले हफ्ते, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी की, जिसमें बनर्जी को 'ममता जी' या 'दीदी' कहकर संबोधित करते हुए उनके नेतृत्व की आलोचना की गई।

2021 के पश्चिम बंगाल चुनावों में टी.एम.सी. ने 215 सीटें जीतकर एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की थी। यह एक उल्लेखनीय राजनीतिक बदलाव को दर्शाता है। इसके विपरीत, भाजपा ने 77 सीटें जीतीं, जो राज्य में उसके बढ़ते प्रभाव को उजागर करता है। धार्मिक और जातिगत आधार पर मतदान के पैटर्न से पता चलता है कि कैसे विभिन्न समुदाय टी.एम.सी. और भाजपा का समर्थन करते हैं, जिससे चुनाव के परिणाम के लिए हर वोट महत्वपूर्ण हो जाता है। मेदिनीपुर और मालदा जैसे क्षेत्र, जहां सीटों का फेरबदल अधिक होता है, प्रमुख युद्धक्षेत्र हैं, जो चुनाव की दिशा तय कर सकते हैं। बनर्जी ने मतदाताओं से आह्वान किया है कि वे उन्हें केवल व्यक्तिगत टी.एम.सी. उम्मीदवारों के रूप में नहीं, बल्कि राज्य विधानसभा की सभी 294 सीटों के उम्मीदवार के रूप में देखें। उन्होंने भाजपा पर बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को अवैध रूप से पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में जोडने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वे बिहार में अपनाए गए तरीकों के समान ट्रेन से इन मतदाताओं को लाने की योजना बना रहे हैं।'जय श्री राम' का स्थान अब 'जय मां दुर्गा' के नारे ने ले लिया है। यह बदलाव बंगाल की संस्कृति में देवी के महत्व को दर्शाता है।

पश्चिम बंगाल में लगभग 125 निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य रूप से मुस्लिम आबादी है, जिनमें से टी.एम.सी. ने 100 से अधिक सीटें जीतीं, जिससे उन्हें एक मजबूत लाभ मिला। 2021 के चुनावों के विपरीत, भाजपा अब अपने अभियान में धार्मिक विषयों पर कम ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा का लक्ष्य आगामी चुनावों में 2021 की तरह धार्मिक ध्रुवीकरण से बचना है। 30 प्रतिशत से अधिक मतदाता मुस्लिम होने के कारण, पिछले विभाजनों ने उनके समर्थन को नुकसान पहुंचाया है। अपने दृष्टिकोण को नरम करने के लिए, वे अब 'बाहरी' शब्द का इस्तेमाल करते हैं। यह 'भीतरी बनाम बाहरी' का मुद्दा ममता को लाभ पहुंचाता है। एक दृढ़निश्चयी नेता ममता ने 2011 में 34 साल तक शासन करने वाली कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फैंककर सत्ता हासिल की थी और तब से वह अपने पद पर बनी हुई हैं। टी.एम.सी. बहुत अधिक संरचित नहीं है और इसमें कड़े नियमों का अभाव है। इसमें विचारधाराओं के एक मजबूत सैट की भी कमी है। भारत के कई क्षेत्रीय दलों की तरह, यह ममता बनर्जी के मजबूत नेतृत्व पर निर्भर है, जिन्हें उनके समर्थक प्यार से 'अग्नि देवी' कहते हैं।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पार्टी को एक महत्वपूर्ण बढ़त देगी, खासकर इसलिए क्योंकि नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लोकप्रिय नेता होने के बावजूद, राज्य विधानसभा चुनावों में संघर्ष करते रहे हैं। बड़ी मुस्लिम आबादी वाले राज्य में जीतना एक मजबूत प्रतीकात्मक महत्व रखेगा और 2029 के आम चुनावों में मोदी की संगठित पार्टी को चुनौती देने के लिए बिखरे हुए विपक्ष की बची-खुची संभावनाओं को भी कम कर देगा।

नक्सली जहां सरकार विरोधी शिक्षा देते थे वहां खोले जाएंगे 22 सरकारी स्कूल

दंतेवाड़ा। बस्तर के सुदूर वनांचलों में अब बदलाव की एक नई इबारत लिखी जा रही है। जिन गांवों में कभी बच्चों को जनताना स्कूलों के जरिए मार्क्सवादी-लेनिनवादी और माओवादी विचारधारा की शिक्षा दी जाती थी, वहां अब भारतीय संविधान और औपचारिक शिक्षा की गूंज सुनाई दे रही है। सुकमा जिले के कोंटा ब्लॉक में शिक्षा विभाग ने 22 नए स्कूल खोलने का प्रस्ताव भेजा है। यह उन बच्चों के लिए उम्मीद की नई किरण है, जिन्होंने अब तक स्कूल की दहलीज नहीं देखी थी।

दरअसल, बीजापुर और सुकमा जिले के कई नक्सल प्रभावित गांव वर्षों तक पहुंच से बाहर रहे। यहां शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह ठप थी। हालात ऐसे हैं कि कई गांवों में 10 साल तक के बच्चों को अब नर्सरी में दाखिला देना पड़ेगा, क्योंकि उन्होंने कभी स्कूल का माहौल देखा ही नहीं। कोंटा ब्लॉक की स्थिति सबसे ज्यादा खराब रही है। हिड़मा के गांव पूवर्ती में सीआरपीएफ द्वारा गुरुकुल शुरू किए जाने के बाद बदलाव की शुरुआत हुई।

करीब 20 साल बाद यहां बच्चों को पहली बार बताया गया कि स्कूल क्या होता है, ब्लैकबोर्ड कैसे काम करता है और पढ़ाई कैसे की जाती है। आज पूवर्ती गुरुकुल में 30 बच्चे पढ़ रहे हैं, जबकि शिक्षा विभाग के स्कूल में भी 20 से अधिक बच्चों ने प्रवेश लिया है। टेकलागुड़ा सहित अन्य गांवों में भी कैंप खुलने के बाद स्कूल और अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इस बदलाव की बयार अब कभी नक्सलियों के मिलिट्री दलम के कमांडर रहे आत्मसमर्पित नक्सली बारसा देवा के गांव तक पहुंच रही है। सुकमा जिले के ओयोपारा जैसे गांव, जहां अब तक केवल जनताना स्कूल संचालित होते थे, वहां शिक्षा विभाग की टीम बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार संपर्क कर रही है। इस गांव में देवा के बेटे और भाई को छोड़कर कोई भी बच्चा स्कूल नहीं गया था। अब देवा का बेटा 12वीं की परीक्षा दे चुका है और बाकी बच्चों को भी स्कूल से जोड़ने की तैयारी है।

बदलते बस्तर की सबसे बड़ी तस्वीर यह है कि पूर्व नक्सली बारसा देवा का भाई बुधरा बारसा अब सिलगेर में अतिथि शिक्षक बनकर बच्चों को पढ़ा रहा है। वह खुद गांव में शिक्षा की अलख जगा रहा है। बुधरा का कहना है कि भाई के आत्मसमर्पण के बाद हालात बदले हैं और अब वे ओयोपारा में भी स्कूल खोलने की मांग कर रहे हैं। पहले इन जनताना स्कूलों में बच्चों को माओवादी विचारधारा, चारु मजूमदार के सिद्धांत और पार्टी के दस्तावेज पढ़ाए जाते थे। अब इनकी जगह लोकतंत्र, संविधान और सामान्य शिक्षा ले रही है।

> कोंटा ब्लॉक में 22 नए स्कूलों का प्रस्ताव भेजा गया है और जरूरत के अनुसार आगे भी स्कूल खोले जाएंगे। बस्तर अब बंदूक से किताब की ओर बढ़ रहा है, जहां शिक्षा ही भविष्य की नई राह तय कर रही है।
>
> **- जीआर मंडावी, जिला शिक्षा अधिकारी, दंतेवाड़ा**

मातृ शिशु अस्पताल में बहाल हुई बिजली आपूर्ति

■ मोबाइल टार्च की रोशन में करनी पड़ी थी डिलीवरी

लोरमी। बीती रात आए भीषण अंधड़ और तूफान के कारण लोरमी स्थित 50 बिस्तर वाले मातृ शिशु अस्पताल में मोबाइल टार्च की रोशनी में महिला की डिलीवरी कराई गई थी। इस पर स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए अस्पताल की चरमराई विद्युत व्यवस्था पर सवाल उठाया था। खबर के प्रकाशन के साथ ही अस्पताल प्रबंधन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी खामियों को दूर कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है।

खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोरमी जीएस दाऊ के अनुसार, खराब मौसम और तेज आंधी-तूफान की वजह से अस्पताल की विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई थी। तूफान के कारण अस्पताल के इनवर्टर और जनरेटर के कनेक्शन में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे कनेक्शन कट गया था।इस तकनीकी खराबी के कारण अस्पताल के कुछ हिस्सों में थोड़ी देर के लिए अंधेरा छाया रहा और विद्युत आपूर्ति बाधित रही। चूंकि यह एक मातृ शिशु अस्पताल है, इसलिए बिजली गुल होने से भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को कुछ समय के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान एक गर्भवती महिला की नार्मल डिलीवरी कराई गई, जिसके बाद मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

शॉर्ट सर्किट की समस्या को तुरंत संज्ञान में लेकर मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में अस्पताल की विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित है। बैकअप के लिए जनरेटर और इनवर्टर को भी पूरी तरह क्रियाशील कर दिया गया है।

टैक्स जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ी

जगदलपुर। नगर पालिका निगम जगदलपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए टैक्स जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 से बढ़ाकर 30 अप्रैल 2026 कर दी गई है। राज्य सरकार ने करदाताओं को राहत देते हुए एक महीने तक बिना 10 प्रतिशत पेनल्टी के टैक्स जमा करने की छूट दी है। नगर निगम ने 24.21 करोड़ रुपए के लक्ष्य के मुकाबले 31 मार्च तक 78.93 प्रतिशत यानी 19.11 करोड़ रुपए की वसूली कर ली है।

नगर पालिका निगम के चलाए गए टैक्स वसूली अभियान में इस वर्ष अच्छा राजस्व प्राप्त हुआ है। निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 24 करोड़ 21 लाख 37 हजार रुपए का लक्ष्य तय किया था, जिसके मुकाबले 31 मार्च 2026 तक 19 करोड़ 11 लाख 27 हजार रुपए वसूल किए जा चुके हैं। संपत्ति टैक्स में निगम का प्रदर्शन बेहतर रहा है। 6 करोड़ 76 लाख 58 हजार रुपए के लक्ष्य के मुकाबले 6 करोड़ 63 लाख 31 हजार रुपए की वसूली की गई, जो 98.04प्रतिशत है। वहीं बकाया मांग सहित कुल 8 करोड़ 37 लाख 14 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध 7 करोड़ 96 लाख 53 हजार रुपए यानी 95.15 प्रतिशत वसूली हुई।

जल टैक्स में वसूली कम रही है। 8 करोड़ 25 लाख 9 हजार रुपए के लक्ष्य के मुकाबले 31 मार्च तक 2 करोड़ 48 लाख 18 हजार रुपए यानी 30.08प्रतिशत की वसूली हुई है। दुकानों के किराया मद में निगम ने 1 करोड़ 80 लाख 54 हजार रुपए की वसूली की है। राज्य सरकार ने 31 मार्च के बाद लगने वाले अधिभार से राहत देते हुए 30 अप्रैल 2026 तक बिना पेनल्टी टैक्स जमा करने की छूट दी है। इसके बाद 10त्न पेनल्टी के साथ टैक्स वसूला जाएगा। महापौर संजय पांडेय ने नागरिकों से अपील की है कि वे 30 अप्रैल तक टैक्स जमा कर छूट का लाभ लें और अतिरिक्त पेनल्टी से बचें। वहीं राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव ने करदाताओं को राहत दी है।

बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट विस्तार को मिली रफ्तार

बिलासपुर। बिलासा देवी केंवट हवाई अड्डा चकरभाठा को अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की दिशा में सोमवार को एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई। जिला प्रशासन को 290.8 एकड़ सैन्य भूमि का विधिवत हस्तांतरण किया गया, जिससे एयरपोर्ट विस्तार और 4C श्रेणी उन्नयन का मार्ग पूरी तरह हासिल हो गया। शहर के बहुप्रतीक्षित एयरपोर्ट विस्तार प्रोजेक्ट को सोमवार को निर्णायक गति मिली, जब भारतीय सेना और रक्षा संपदा कार्यालय जबलपुर के अधिकारियों ने 290.8 एकड़ भूमि का औपचारिक हस्तांतरण जिला प्रशासन को किया। यह प्रक्रिया कलेक्टर संजय अग्रवाल की उपस्थिति में संपन्न हुई। भूमि हस्तांतरण के दौरान सैन्य अधिकारियों एवं डीईओ जबलपुर के प्रतिनिधियों ने स्वामित्व संबंधी आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर भूमि को प्रशासन को सौंपा। इस महत्वपूर्ण कदम के साथ अब एयरपोर्ट के लिए उपलब्ध कुल भूमि 646.8 एकड़ हो गई है, जो इसके व्यापक विस्तार के लिए पर्याप्त मानी जा रही है। इस अतिरिक्त भूमि के मिलने से रनवे विस्तार और एयरपोर्ट को 4ष्ट श्रेणी में अपग्रेड करने की दिशा में आ रही तकनीकी अड़चनें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं।4ष्ट श्रेणी का उन्नयन होने से बड़े विमानों की आवाजाही संभव होगी, जिससे बिलासपुर को देश के प्रमुख शहरों के साथ बेहतर हवाई कनेक्टिविटी मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

वकील ने पिस्टल-तलवार और फरसा लहराया, मामला दर्ज

बिलासपुर। बिलासपुर में रविवार रात वकील शराब पीकर सरेराह हथियार लहरा रहा था, जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में वकील हाथ में तलवार और फरसा लहराते हुए, पिस्टल थामे और शराब पीते हुए नजर आ रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। घटना चकरभाठा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक वकील का नाम अंशुमन श्रीवास्तव (41) है, जो घर के बाहर शराब पी रहा था और पिस्टल, तलवार, फरसा लेकर आने-जाने वालों को डरा रहा था। इस पूरे घटनाक्रम को एक शख्स ने अपने मोबाइल के कैमरे में कैद कर लिया। बाद में उसने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायलर होते ही पुलिस हरकत में आई और जांच पड़ताल के बाद वकील को गिरफ्तार किया। सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि शहर की पॉश कॉलोनी रामावैली में रविवार को वकील सरेआम हथियार लहराकर दहशत फैला रहा था। इसका वीडियो लोगों ने रिकॉर्ड करके पुलिस को भेजा। पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपी अंशुमन श्रीवास्तव (41) नामक वकील है।

वह अपने घर के बाहर शराब पी रहा था और इस दौरान हाथ में पिस्टल, तलवार और फरसा जैसे औजार लेकर आने-जाने वालों को डराने का प्रयास कर रहा था। चकरभाठा थाना प्रभारी उमेश साहू अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को कॉलोनी में देखकर हड़कंप मच गया। टीम ने आरोपी के घर रू-5, मकान नंबर 124 की घेराबंदी की और उसे हथियारों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री का बहनोई बनकर 23 लाख ठगे

रायगढ़। रायगढ़ जिले में मंत्रालय में जॉब दिलाने का झांसा देकर करीब 23 लाख की ठगी हुई है। आरोपी ने खुद को कृषि मंत्री रामविचार नेताम का बहनोई बताया था। इसी विश्वास में आकर पीड़ित ने अलग-अलग किश्त में 22 लाख 70 हजार कैश दे दिए थे। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। अपॉइंटमेंट लेटर देने बाद जॉइनिंग के लिए जब ठग ने टालमटोल किया तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस आरोपी पति पत्नी की तलाश कर रही है। दोनों महासमुंद के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित रामभांठा निवासी समारू राम टंडन (51) है, वह पेशे से ड्राइवरी का काम करता है। वह अप्रैल 2025 में वाहन से रायपुर गया था। जयस्तंभ चौक के पास उसकी मुलाकात महासमुंद जिले के ग्राम भद्ररसी निवासी कुमार राम ठाकुर (60) और उसकी पत्नी सोहद्रा बाई ठाकुर (55) से हुई। बातचीत के दौरान कुमार राम ठाकुर ने खुद को मंत्री रामविचार नेताम का बहनोई बताया। मंत्रालय में अच्छी पकड़ होने की बात कही। सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया और अपना मोबाइल नंबर दिया। घर लौटने के बाद समारू ने अपने बेटे डीगेश कुमार का बायोडाटा भेजा। इसके बाद आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर 5 लाख रुपए की मांग की। समारू ने अपने परिचित पिंटू लहरे, भतीजा राजेश साहू और उसके दोस्त सुशील चौहान के बेटे लोकनाथ चौहान को इसकी जानकारी दी। सभी ने अपने-अपने बायोडाटा आरोपी को भेजा। कुछ दिन बाद कुमार राम ठाकुर रायगढ़ पहुंचा। समारू ने अपने बेटे की नौकरी के लिए 4 लाख रुपए कैश दिए। बाकी रकम पेटीएम से भेजने की बात कही गई। इसके बाद सभी ने मिलकर 9 लाख 92 हजार 500 रुपए की व्यवस्था की। यह रकम ऑनलाइन माध्यम से आरोपी को भेज दी गई। 1 दिसंबर 2025 को कुमार राम ठाकुर ने सभी को अपने गांव भद्ररसी, जिला महासमुंद बुलाया। सभी लोग उसके घर पहुंचे। वहां कुमार राम ठाकुर ने सभी उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिखाया। इसके बाद शेष रकम की मांग की। कहा कि 12 दिसंबर 2025 को जॉइनिंग से पहले पूरा भुगतान करना होगा। 8 दिसंबर को सभी लोग फिर भद्ररसी पहुंचे। इस दौरान उसे 8 लाख 77 हजार 500 रुपए दे दिए गए। कुमार राम ठाकुर ने सभी उम्मीदवारों की जॉइनिंग 12 दिसंबर 2025 को मंत्रालय में डाटा ऑपरेटर पद पर होने की बात कही। 12 दिसंबर को कुमार राम ठाकुर ने समारू के मोबाइल पर कॉल कर बताया कि इस समय विधानसभा सत्र चल रहा है। इस कारण नियुक्ति रोक दी गई है। एक सप्ताह बाद रोक हटने पर जॉइनिंग कराई जाएगी। कुछ दिन बाद समारू ने कुमार राम ठाकुर को फोन कर उम्मीदवारों की जॉइनिंग के बारे में पूछा। इस पर वह लगातार टालमटोल करता रहा। इस स्थिति में समारू उसकी पत्नी ममता टंडन, राजेश साहू, सुशील चौहान और परिचित शनिराम साहू भद्ररसी पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने नियुक्ति नहीं कराने की बात कहते हुए अपनी-अपनी दी गई रकम वापस मांगी। इस दौरान कुमार राम ठाकुर, उसकी पत्नी सोहद्रा बाई और उसका साथी मुकेश साहू गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने कहा कि जो करना है कर लो, पैसा वापस नहीं मिलेगा। इसके बाद सभी को ठगी का एहसास हुआ। समारू ने रविवार (5 अप्रैल) को थाने में सूचना देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली थाना प्रभारी सुखनंदन पटेल ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 3 (5) बी ए न ए स 318(4)बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों की तलाश जारी है, जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

तीर से घायल बायसन चलने फिरने में हुआ असमर्थ

कवर्धा। जिले के पंडरिया वन परिक्षेत्र में एक घायल बायसन की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार बायसन गंभीर रूप से घायल अवस्था में सागौना के जंगल और आसपास के इलाकों में भटक रहा है। उसके शरीर पर तीर के गहरे घाव हैं, खासकर पीठ और पैर पर लगी चोट से लगातार खून बह रहा है, जिसके कारण वह लंगड़ाकर चल रहा है, अब स्थिति ऐसी है कि बायसन कई घंटों से नाला के किनारे एक जगह पर बैठा हुआ है, शायद अब वन्यप्राणी चलने की स्थिति में भी नहीं है। जंगल में गए ग्रामीणों ने बायसन की स्थिति देखने के बाद बताया कि दिन-ब-दिन उसकी हालत और खराब होती जा रही है, लेकिन वन विभाग की ओर से उचित निगरानी और दोबारा उपचार नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों ने ये भी आरोप लगाया कि एक बार प्राथमिक उपचार के बाद उसे जंगल में छोड़ दिया गया, जिसके बाद उसकी स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया गया, जिससे उसकी हालत और खराब हो गई है। घटना पंडरिया पूर्व वन परिक्षेत्र के क्रांति जलाशय इलाके की है।

खुलेआम तलवार लहराना वाला युवक को किया गिरफ्तार

सूरजपुर। बसदेई पुलिस चौकी क्षेत्र में खुलेआम तलवार लहराकर लोगों में दहशत फैलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है और रिमांड की मांग की है। 6 अप्रैल 2026 की शाम पुलिस चौकी बसदेई की टीम नियमित पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान ग्राम भ्रमण के समय मुखबिर से सूचना मिली कि कुसमुसी अटल चौक के पास एक युवक नग्न तलवार लेकर सड़क किनारे लहरा रहा है और आने जाने वालों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने देखा कि एक युवक हाथ में तलवार लेकर लोगों में भय का माहौल बना रहा था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया और पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी की पहचान अंकित तिवारी (27 वर्ष) निवासी ग्राम बसदेई चौकी, थाना सूरजपुर के रूप में हुई। पुलिस ने तुरंत आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से लोहे की तलवार बरामद की।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है छग का पीला सोना महुआ

कोरबा। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों महुआ संग्रहण का कार्य जोर-शोर से जारी है। सूर्य की पहली किरण के साथ ही ग्रामीण खासतौर पर महिलाएं और बच्चे जंगलों की ओर महुआ संग्रहण के लिए निकल पड़ते हैं। महुआ ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। भले ही यह अतिरिक्त आमदनी का जरिया है लेकिन इसके लिए कोरबा जैसे जिलों में अतिरिक्त जोखिम भी उठाना पड़ता है। हाथियों के मूवमेंट वाले इलाकों में वन विभाग भी मॉनिटरिंग कर लोगों को सहयोग कर रहा है। कोरबा और कटघोरा वन मंडल के जंगलों में हाथी और भालू के विचरण की सूचना लगातार सामने आती रहती हैं। इससे महुआ संग्रहण पर जाने वाले ग्रामीणों में कहीं न कहीं भय का माहौल भी रहता है। कई इलाकों में हाथियों के झुंड देखे जाने की सूचना है। वहीं भालू के हमले की आशंका भी बनी रहती है। सरकार ने महुआ संग्रहण करने वाले परिवार के लिए 33 रुपए का समर्थन मूल्य भी घोषित किया है। हालांकि इसका बाजार मूल्य कहीं अधिक रहता है।

आईपीएल सट्टा खिलाने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सिरगिट्टी पुलिस और एसीसीयू की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे पर अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गुम्बर पेट्रोल पंप के पास एक सफेद रंग की क्रेटा कार में कुछ लोग मोबाइल के जरिए सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर गाड़ी के आस-पास घेराबंदी कर तीन लोगो को पकड़। जांच के दौरान कार में सवार तीनों आरोपियों के मोबाइल फोन चेक किए गए, जिनमें व्हाट्सएप के माध्यम से आईपीएल मैचों पर हार-जीत का दांव लगाते हुए सट्टा खिलाने के साक्ष्य मिले। गिरफ्तार आरोपियों में रामेश्वर गुप्ता बाजार पारा गनियारी, दीपचंद सोनकर देवरीखुर्द और सीताराम साहू कीर्तिनगर सिरगिट्टी शामिल हैं। सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया की आरोपियों के पास से 5,01,300 रुपये कैश, चार मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

दंतेवाड़ा में हुई सोने-चांदी की ठगी का एक आरोपी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। जिले के थाना फरसपाल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झोडियाबाड़म के पटेलपारा में सोने-चांदी के आभूषणों की ठगी करने वाले आरोपी संजय कुमार चौहान निवासी महाराष्ट्र को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को अपनी बातों में फंसाकर सोने-चांदी के जेवर, नगदी, मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान ठगता था। आरोपी के खिलाफ मुंबई-ठाणे क्षेत्र में पहले से ही चार शिकायतें दर्ज थीं। पुलिस ने आरोपी के पास से 6 ग्राम सोना, एक मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त होंडा एक्टिवा और ठगी में इस्तेमाल किए जाने वाले दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपी संजय कुमार चौहान के विरूद्ध थाना फरसपाल में कर्यवाही उपरांत न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, झोडियाबाड़म के पटेलपारा में हुई ठगी की शिकायत 8 मार्च को थाना फरसपाल में दर्ज कराई थी। पुराने इलेक्ट्रॉनिक सामान, गैस चूल्हा और होम थियेटर के बदले नया सामान दिलाने का झांसा देकर 5 हजार रुपये नकद और सोने का आभूषण लेकर फरार हो गया।

भिलाई स्टील प्लांट के पावर प्लांट-2 में लगी आग

7 से ज्यादा कर्मी घायल होने की आशंका

दुर्ग-भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के पावर प्लांट-2 में मंगलवार सुबह करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार टर्बाइन सेक्शन में ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई और पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। घटना के समय प्लांट के अंदर मौजूद कर्मचारियों ने हालात बिगड़ते देख पीछे के रास्ते से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। संयंत्र प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासन की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद आग पर काबू पाने का काम शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में 7 से अधिक बीएसपी कर्मियों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टर्बाइन में अचानक तेज आवाज के साथ ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें तेजी से फैल गईं। कुछ ही मिनटों में पावर प्लांट का बड़ा हिस्सा धुएं से भर गया। आसमान में दूर तक धुएं और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में 7 से अधिक बीएसपी कर्मियों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि दो बीएसपी कर्मचारी और तीन ठेका श्रमिक हल्की चोटों के साथ घायल हुए हैं, जबकि एक कर्मचारी के पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है। सभी घायलों को सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ घायलों को पहले मेन मेडिकल पोस्ट में प्राथमिक उपचार दिया गया। प्लांट प्रबंधन और प्रशासन की टीमें लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

20 दिनों से सिलेंडर नहीं मिल रहा, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

दुर्ग-भिलाई। भिलाई-3 के ग्राम करसा में एचपी गैस सिलेंडर की सप्लाई न होने से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह चक्काजाम कर दिया। ग्रामीण सड़क पर बैठ गए और गैस एजेंसी के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। इससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ।

सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर पुरानी भिलाई थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश देकर जाम समाप्त कराया। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले करीब 20 दिनों से गांव में गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। कई बार एजेंसी के चक्कर लगाने के बावजूद ग्रामीण खाली हाथ लौट रहे हैं। घरों में खाना बनाने में कठिनाई हो रही है और लोगों को लकड़ी और अन्य विकल्पों का सहारा लेना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर विरोध जताया।

ग्रामीणों ने बताया कि शताक्षी गैस एजेंसी से सिलेंडर की सप्लाई होती है, लेकिन समय पर गैस नहीं मिल रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। लोगों का आरोप है कि एजेंसी में व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों में परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कुछ दिन पहले इसी गैस एजेंसी में बाउंसर ने ग्राहकों से मारपीट की थी, जिससे पहले से ही नाराज़गी थी। अब सिलेंडर न मिलने से लोगों का गुस्सा और बढ़ गया है। उनका कहना है कि गैस जैसी जरूरी चीज के लिए बार-बार भटकना पड़ रहा है।

मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन ने ग्रामीणों से बातचीत की और जल्द सप्लाई सुधारने का भरोसा दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया और सड़क से हट गए। प्रशासन ने गैस एजेंसी से भी बात कर स्थिति सुधारने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि अगर जल्द ही गैस सिलेंडर की नियमित सप्लाई शुरू नहीं हुई तो वे फिर से आंदोलन करेंगे और इस बार बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

विश्व स्वास्थ्य दिवस : स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लें - मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। यह दिवस न केवल स्वास्थ्य से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का अवसर है, बल्कि अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का भी संदेश देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान - ये तीनों स्वस्थ जीवन के मूल आधार हैं। यदि हम अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे सुधार करें, तो बड़े स्तर पर सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए सतत प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे स्वयं स्वस्थ रहने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज में भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाएँ, ताकि एक स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

अप्रैल में राशनकार्डधारियों को मिलेगा केरोसिन, 528 किलोलीटर का आबंटन जारी

रायपुर। प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के तहत अप्रैल 2026 के लिए केरोसिन का आबंटन जारी कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने केंद्र सरकार से प्राप्त प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) के कोटे में से 528 किलोलीटर केरोसिन राशनकार्डधारियों के लिए आवंटित किया है। यह केरोसिन उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से वितरित किया जाएगा। खाद्य विभाग के अनुसार, अंत्योदय और प्राथमिकता श्रेणी के सभी राशनकार्डधारियों को इसका लाभ मिलेगा। शहरी क्षेत्रों में प्रति राशनकार्ड अधिकतम 1 लीटर और ग्रामीण क्षेत्रों (अनुसूचित एवं गैर-अनुसूचित) में अधिकतम 2 लीटर केरोसिन दिया जाएगा। राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि केरोसिन का समय-सीमा में उठाव और वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रचार-प्रसार कर हितग्राहियों को उनकी पात्रता की जानकारी देने को कहा गया है। जिन उचित मूल्य दुकानों में केरोसिन की मांग कम है, वहां शेष स्टॉक को जरूरत वाले दुकानों में पुन-आबंटित किया जाएगा। इससे किसी भी क्षेत्र में केरोसिन की कमी न हो और सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा मिल सके। अप्रैल माह के लिए आवंटित केरोसिन का उठाव 30 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से करना होगा। वहीं, ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे लैप्स कोटा की जानकारी 30 अप्रैल तक विभाग को उपलब्ध कराएं।

अवैध रेत परिवहन पर सख्ती, 99 वाहन जब्त कर 27.65 लाख की वसूली

रायपुर। कांकेर जिले में अवैध रेत खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए टॉस्क फोर्स द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में 99 मामलों में 99 वाहनों को जब्त कर 27 लाख 65 हजार रुपए की वसूली की गई है। कलेक्टर श्री क्षीरसागर के निर्देशानुसार अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है। खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में वर्तमान में 15 रेत खदानें संचालित हैं, जो चारामा विकासखंड के ग्राम माहुद, भर्रीटोला, भिलाई, भिरौद, करिहा, हाराडुला, बासनवाही, अरौद, किलेपार तथा दुर्गकोंदल विकासखंड के भंडारडिगी, गुदुम और परभरेली में संचालित हो रही हैं। इनका संचालन ग्राम पंचायतों एवं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अलावा 16 अस्थायी रेत भंडारण लाइसेंस भी जारी हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में रेत खनन एवं परिवहन से 76 लाख 62 हजार 572 रुपए की रॉयल्टी तथा 1 करोड़ 56 लाख 89 हजार 208 रुपए प्रीमियम के रूप में प्राप्त हुए हैं। पूर्व वर्षों 2019-20 एवं 2020-21 की 1 करोड़ 36 लाख रुपए की रॉयल्टी राशि ग्राम पंचायतों को वितरण हेतु जिला पंचायत को उपलब्ध कराई जा रही है।

बिजली कटौती के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस, बिजली कार्यालय का किया घेराव

रायपुर। कांग्रेसियों ने बिजली की समस्या को लेकर पहाड़ी चौक से पैदल मार्च निकालने के बाद गुढ़ियारी स्थित सीएसईबी कार्यालय का घेराव किया। महामंत्री सुबोध हरितवाल के नेतृत्व में किए गए प्रदर्शन में पूर्व महापौर एजाज ढेबर समेत सैकड़ों कांग्रेसी मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री सुबोध हरितवाल ने बताया कि रायपुर पश्चिम विधानसभा इलाके में लगातार बिजली कटौती की जा रही है। शहर के गुढ़ियारी इलाके में लगातार रात में बिजली कटौती की जाती है। पूरे इलाके में लाइनमैन की व्यवस्था नहीं है। मूलभूत सुविधा समेत पूरी व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। इसी मूलभूत सुविधाओं के लिए आम जनता की समस्याओं के लिए कांग्रेस पार्टी सड़क पर उतरी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक तरफ जनता को परेशान कर रही है। दूसरी तरफ देश को धर्म की राजनीति में बाँटने का घिनौना षड्यंत्र कर रही है। यही नहीं पार्टी के नेता कहते हैं कि सब ठीक चल रहा है। भाजपा का गंदा चेहरा अब जनता के सामने उजागर हो चुका है। कांग्रेस पार्टी जनता की मूलभूत व्यवस्थाओं के लिए सड़क पर उतर आई है। घेराव को खत्म करने के लिए पहुंचे बिजली विभाग के एसई महेश ठाकुर और ईई रामकुमार साहू ने जनता को आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द बिजली कटौती रुकेगी और साथ ही सहायता केंद्र ठेकेदार पर कार्रवाई भी की जाएगी।

सीएम साय ने प्रधानमंत्री मोदी को सौंपा बस्तर विकास का ब्लूप्रिंट

■ **बस्तर 2.0 की शुरुआतः बस्तर आने का दिया आमंत्रण**

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर बस्तर के भविष्य की एक नई तस्वीर पेश की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल नक्सलवाद के अंत के बाद प्रदेश में आई शांति के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया, बल्कि बस्तर के समग्र विकास का एक विस्तृत और दूरदर्शी ब्लूप्रिंट भी सौंपा। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री को मानसून के बाद बस्तर आने का आमंत्रण दिया, जहां उनकी मौजूदगी में कई बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि बस्तर समेत पूरे राज्य में नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब शांति स्थापित है। शिक्षा व स्वास्थ्य सुधार के तहत नए एजुकेशन सिटी, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं, जबकि इंद्रावती नदी पर बैराज, रेल लाइन और एयरपोर्ट विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ब्लूप्रिंट के जरिए बस्तर में अब विकास, रोजगार और बेहतर सुविधाओं का नया दौर शुरू होगा।

मुख्यमंत्री ने अपने विकास दस्तावेज़ में उल्लेख किया कि एक दशक पहले प्रधानमंत्री द्वारा बस्तर के लिए देखा गया शांति और विकास का सपना अब जमीन पर साकार हो रहा है। नक्सलवाद खत्म होने के बाद अब लोगों में डर नहीं, बल्कि उम्मीद और विकास की नई चमक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से बस्तर को नई दिशा और गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में विश्वास और उत्साह बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत विकास ब्लूप्रिंट 'सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज' रणनीति पर आधारित है। इसके तहत बस्तर में बुनियादी सुविधाओं को तेजी से विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों के व्यापक जाल के माध्यम से दूर-दराज के गांवों को जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधूरे कार्यों को 2027 तक पूरा करने के साथ-साथ नई 228 सड़कों और 267 पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग भी की गई है।

ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव की योजना है। हर घर तक बिजली पहुंचाने के कार्य तेज होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में 45 पोटा केबिन स्कूलों को स्थायी भवनों में बदला जाएगा। युवाओं के लिए 15 स्टेडियम और 2 मल्टीपर्पज हॉल बनाए जाएंगे, जबकि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार और डॉक्टरों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल बनाए जा रहे हैं।

कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में इंद्रावती नदी पर दो बड़े प्रोजेक्ट देउरगांव और मटनार में स्वीकृत किए गए हैं, जिनसे 31,840 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। यह परियोजनाएं बस्तर की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

आजीविका और आय बढ़ाने के लिए सरकार ने तीन वर्षीय योजना तैयार की है, जिसका लक्ष्य 2029 तक 85% परिवारों की मासिक आय 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करना है। 'नियद नेल्ला नार 2.0' योजना के तहत अब अधिक जिलों को जोड़ा जा रहा है, जिससे विकास का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचेगा। 10 जिलों में शुरू की गई यह योजना अब 7 जिलों और 3 नए जिलों (गरियाबंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) तक विस्तारित हो रही है। 'अंजोर विजन 2047' और 'विकसित भारत@2047' के तहत स्टार्टअप नीति भी लागू की गई है, जिसमें 2030 तक 5,000 स्टार्टअप तैयार करने का लक्ष्य है।

पर्यटन के क्षेत्र में बस्तर की पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी नेशनल पार्क, एडवेंचर टूरिज्म, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसी परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजन क्षेत्र को नई पहचान दे रहे हैं। वहीं, एक लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 40 हजार को रोजगार भी मिल चुका है।

नक्सलवाद से मुक्त बस्तर के विकास के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री के सामने जो कार्ययोजना प्रस्तुत की, उसमें 'बस्तर मुन्ने' (अग्रणी बस्तर) कार्यक्रम एक अहम पहल है। इस कार्यक्रम के तहत हर ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ अधिकारियों की मौजूदगी में लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे दिया जाएगा, जरूरी दस्तावेज वहीं बनाए जाएंगे और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि हर व्यक्ति तक सरकार की योजनाएँ आसानी से पहुँचें और बस्तर तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़े।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे के दौरान जिन प्रमुख परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण की योजना है, उनमें रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन, जगदलपुर एयरपोर्ट का विस्तार, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, जगरगुंडा और ओरछा में एजुकेशन सिटी जैसी महत्वपूर्ण पहल शामिल हैं। ये परियोजनाएं बस्तर को शिक्षा, स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध : जायसवाल

स्वास्थ्य विभाग को मिले 2,220 आधुनिक चिकित्सा उपकरण

रायपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में राजधानी रायपुर के शासकीय अस्पताल, पंडरी में चिकित्सा उपकरणों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए शासन लगातार प्रयासरत है और इसी कड़ी में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि इन आधुनिक उपकरणों के माध्यम से मरीजों को बेहतर, त्वरित एवं प्रभावी उपचार का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के कुल 2,250 चिकित्सा उपकरण स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराए गए, जिससे अस्पतालों में उपचार सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं, बल्कि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में भी सहायक होती हैं।

उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उक्त चिकित्सा उपकरण भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (छ्स्क्र) मद के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए हैं, जो समाज और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति संस्थागत सहयोग का एक सराहनीय उदाहरण है।

छत्तीसगढ़ में नया धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू राज्यपाल ने विधेयक पर किया हस्ताक्षर

■ **बैज बोले- आरक्षण बिल पर चुप्पी क्यों? पुरंदर मिश्रा ने कहा- अब रुकेगा धर्मांतरण**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण रोकने बनाए गए नए विधेयक पर मंगलवार को राज्यपाल रमेन डेका ने हस्ताक्षर किया। अब मंगलवार से प्रदेश में नया धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू हो गया है। धर्मांतरण पर नए विधेयक के अनुसार अब सख्त कार्रवाई होगी।

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा है कि हम उम्मीद करते हैं कि इस कानून का उपयोग किसी निर्दोष पर नहीं होगा। हम मांग करते हैं कि पिछले साढ़े 3 साल से आरक्षण विधेयक राजभवन में पेंडिंग है, जिसमें ओबीसी और अनुसूचित जाति के लिए कानून बनाए थे, इस पर भी हस्ताक्षर किया जाए, लेकिन राजयपाल ने हस्ताक्षर नहीं किया। बीजेपी जो कानून लाती है उसमें राज्यपाल हस्ताक्षर करते हैं, ये दोहरा मापदंड क्यों?

वहीं छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण स्वातंत्र्य कानून पारित होने पर विधायक पुरंदर मिश्रा ने शुभकामाएं दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम विजय शर्मा का आभार जताते हुए कहा, धर्मांतरण कानून लाए और पारित हो गया। लोगों को भ्रमित करने वाली बात का आज द एंड हो गया। मिश्रा ने कहा, बीजेपी सभी धर्मों का सम्मान करती है, लेकिन कोई प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराएगा तो स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस पर धर्मांतरण करने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस नहीं चाहती कि भारत विश्वगुरु बने।धर्मांतरण अब रुकेगा। विदेशी ताकत भारत को विश्वगुरु बनने नहीं देना चाहते, वो धर्मांतरण करवाते हैं। कांग्रेस के शासनकाल में 500 चर्च बने।

आरटीई को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सरकार की नाकामियों की वजह से नर्सरी में बच्चों के एडमिशन का सिस्टम खत्म हुआ। गरीब के बच्चे अब शिक्षा नहीं ले पाएंगे। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। गरीब बच्चों को नर्सरी से शिक्षा मिलनी चाहिए। यह सरकार शिक्षा व्यवस्था को खत्म कर रही है। हम मांग करते हैं कि गरीब बच्चों को नर्सरी से एडमिशन मिलना चाहिए।

बीजेपी के गांव चलो अभियान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस ने गांव चलो अभियान की शुरुआत की है, बीजेपी इसी का नकल कर रही है। दो साल में बीजेपी ने सरकार में क्या किया, 1 लाख युवाओं को नौकरी मिली क्या? किसानों का पूरा धान सरकार ने खरीदा क्या? प्रदेश की आम जनता इस समय परेशान है। इन सब मुद्दों से प्रदेश की जनता आक्रोशित हैं।

आरटीई में एडमिशन को लेकर प्रदर्शन

कांग्रेस ने किया डीईओ कार्यालय का घेराव

रायपुर। राजधानी रायपुर में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत गरीब बच्चों को स्कूलों में प्रवेश नहीं दिए जाने के मुद्दे पर आज कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन किया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय का घेराव किया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि निजी स्कूल प्रबंधन आरटीई के तहत पात्र बच्चों को एडमिशन देने से इंकार कर रहे हैं, जिससे गरीब वर्ग के बच्चों का शिक्षा का अधिकार प्रभावित हो रहा है। कांग्रेस ने मांग उठाई कि पहले आरटीई के तहत नर्सरी से लेकर 12वीं तक प्रवेश दिया जाता था, लेकिन अब इसे कक्षा 1 से 12वीं तक सीमित कर दिया गया है। इस बदलाव से छोटे बच्चों को शुरुआती शिक्षा से वंचित होना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की है कि आरटीई के तहत नर्सरी से एडमिशन की व्यवस्था फिर से शुरू की जाए। सभी निजी स्कूलों में गरीब बच्चों को अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाए। नियमों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की जाए। कांग्रेस ने इसे शिक्षा के अधिकार से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा है कि अगर जल्द ही इस पर ठोस कदम नहीं उठाया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

आरटीई को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सरकार की नाकामियों की वजह से नर्सरी में बच्चों के एडमिशन का सिस्टम खत्म हुआ। गरीब के बच्चे अब शिक्षा नहीं ले पाएंगे। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। गरीब बच्चों को नर्सरी से शिक्षा मिलनी चाहिए। यह सरकार शिक्षा व्यवस्था को ख़त्म कर रही है। हम मांग करते हैं कि गरीब बच्चों को नर्सरी से एडमिशन मिलना चाहिए।

15 से 27 अप्रैल तक रद्द रहेंगी लोकल ट्रेन

रायपुर। हावड़ा-मुंबई मुख्य लाइन पर स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के बिलासपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन में चौथीलाइन निर्माण का कार्य किया जा रहा है । इस कड़ी में बिलासपुर मंडल के जांजगीर-नैला स्टेशन में चौथी लाइन कनेक्टिविटी एवं ऑटो सिग्नलिंग कार्य हेतु प्रीनॉन /नॉनइंटरलॉकिंग का कार्य किया जायेगा, जिसके फलस्वरुप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

रद्द होने वाली गाडियां

*16 से 27 अप्रैल तक बिलासपुर व रायगढ़ से चलने वाली 68738/68737 बिलासपुर-रायगढ़-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी ।

*16 से 27 अप्रैल तक रायगढ़ से चलने वाली 68735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

*15 से 26 अप्रैल तक बिलासपुर से चलने वाली 68736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

*15 से 26 अप्रैल तक रायपुर से चलने वाली 68746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

*16 से 27 अप्रैल तक गेवरा रोड से चलने वाली 68745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

*15 से 26 अप्रैल तक रायपुर से चलने वाली 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर रद्द रहेगी ।

*16 से 27 अप्रैल तक कोरबा से चलने वाली 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी ।

*16 से 27 अप्रैल तक बिलासपुर व गेवरा रोड से चलने वाली 68734/68733 बिलासपुर-गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी

*16 से 27 अप्रैल तक बिलासपुर व कोरबा से चलने वाली 68732/68731 बिलासपुर-कोरबा-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

*11 से 25 अप्रैल तक बिलासपुर से चलने वाली 58210 बिलासपुर-गेवरा रोड पैसेंजर रद्द रहेगी।

गंतव्य से पहले समाप्त व प्रारम्भ होने वाली गाडियाँ

*16 से 27 अप्रैल तक गोंदिया से चलने वाली 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन में समाप्त होगी तथा बिलासपुर-झारसुगुड़ा के मध्य रद्द रहेगी।

*16 से 27 अप्रैल तक झारसुगुड़ा से चलने वाली 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन से प्रारम्भ होगी तथा झारसुगुड़ा-बिलासपुर के मध्य रद्द रहेगी।

यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष प्रबंध

गाड़ी संख्या 18250/18249 तथा 18252/18251 कोरबा-रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस 16 से 27 अप्रैल तक कोरबा-बिलासपुर-कोरबा के मध्य पैसेंजर के रूप में चलाई जाएगी

असम में बदलाव की बयार चल रही है : भूपेश

रायपुर। असम के दौरे से लौटे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वहां की सियासी हालत का जिक्र करते हुए कहा कि हिमंता और भाजपा सरकार से जनता परेशान है। जनता नया असम बनाने जा रही है। बदलाव की बयार चल पड़ी है।

असम चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ लौटने के बाद मीडिया से चर्चा में कहा कि डरी हुई हिमंता सरकार कांग्रेस नेताओं पर एफआईआर कर रही है। पवन खेड़ा के घर पुलिस ने रेड की है, लेकिन कांग्रेस भाजपा के हथकंडों से डरने वाली नहीं है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी के नेता बौखला गए हैं। अमित शाह असम में जाकर गाय बांटने की बात कह रहे हैं। 2003 में गाय बांटने की योजना छत्तीसगढ़ में फेल हो गई है। अब इनके पास नया कुछ देने का नहीं है। जिस प्रकार भ्रष्टाचार के आकंठ में मुख्यमंत्री और उसका परिवार डूबा हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि (तीन फर्जी पासपोर्ट और विदेशों में संपत्ति के मामले में) हमारे आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यहां रात में एफआईआर होती है, और सुबह असम पुलिस दिल्ली पहुंच जाती है। आचार संहिता लगा हुआ है, और देश की एजेंसी किस प्रकार काम कर रही है, यह प्रश्नवाचक चिन्ह है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एनआईटी क्र. सिस्टम टेन्डर नं	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
1	2	3
323/187450	Interior Beautification of Conferance Hall, Ade Staff Room, Adc Chamber at Secretariat Building and Mahanadi Ade Office, at Lokbhavan, Raipur (C.G.)	रू. 80.00 लाख
324/187452	Interior Beautification And Furnishing Work of Mahanadi (Governor House), Vvip Suit (Udanti Parisar) And All Suites For Accmondation of Vips In Lokbhavan Prisar Raipur (C.G.)	रू. 80.00 लाख

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 22.04.2026 समय सायं 5.30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मंडल क्र.-1, रायपुर (छ.ग.)

जी-262700054/5

बंद करो यह लड़ाई, जिसमें सारी मानवता कराह रही है

मोहन लाल

1990 -91 तक हम मानते थे कि दुनिया सोवियत यूनियन और अमरीका के 2 शक्तिशाली गुटों में बंटी हुई है, परंतु सोवियत यूनियन के अंतिम कम्युनिस्ट राष्ट्रपति गर्बाच्योव के बाद सोवियत यूनियन जैसा शक्तिशाली देश विश्व राजनीति में कमजोर पड़ गया। दुनिया में अमरीका की चढ़त बन गई। अमरीका दुनिया भर के तेल भंडारों पर अपना एकाधिकार जमाना चाहता है। एक बहाना ढूंढ लेता है कि अमुक-अमुक देश के पास परमाणु बम है और अमरीका उस देश पर आक्रमण कर देता है। निकलता किसी भी देश से कुछ नहीं, परंतु अमरीका की विस्तारवादी राजनीति की विजय हो जाती है। कमाल तो तब हुआ जब वेनेजुएला जैसे प्रभुसत्ता सम्पन्न देश के राष्ट्रपति और उनकी धर्मपत्नी को सत्ताच्युत कर अमरीका की एक बहुत खतरनाक आपराधिक जेल में डाल दिया गया। उससे भी बड़ा कमाल यह था कि विश्व का कोई भी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति के साथ हुए अमानवीय व्यवहार के लिए 'आह' तक नहीं भर सका। अमरीका का इतना डर? अमरीका ने यही हाल वियतनाम का किया, परंतु शुक्र है कि वियतनाम ने लम्बे संघर्ष के बाद अमरीका को अपमानित कर वियतनाम की प्रभुसत्ता को बनाए रखा। अफगानिस्तान से रूस और अमरीका दोनों बड़ी शक्तियों को निकालना पड़ा। ईराक के लोकप्रिय राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को भी उसी बहाने से फांसी पर चढ़ा दिया गया, कि वह परमाणु बमों और रासायनिक विस्फोटक पदार्थों से दुनिया को खतरे में डाल रहा है। लीबिया के तानाशाह कर्नल गद्दाफी का भी यही हश्र किया गया। वर्तमान अमरीका-इसराईल और ईरान के युद्ध ने उन इस्लामिक देशों को भी युद्ध में धकेल दिया है, जिन्होंने अमरीका को अपने हवाई अड्डों के इस्तेमाल की आज्ञा दे रखी है। खाड़ी के लगभग 20 देश आज युद्ध की लपेट में हैं। सीरिया, लेबनान, बेरूत, कतर जैसे बीसियों इस्लामिक देश ईरानी मिसाइलों की मार झेल रहे हैं। आखिर क्यों कोई अमरीका के आगे मुंह नहीं खोल रहा? डोनाल्ड ट्रम्प धमकी पर धमकी दे रहे हैं कि ईरान तबाह हो चुका है। खामेनेई जो ईरान के धार्मिक नेता थे, को अमरीका की गुप्तचर एजेंसियों ने निशाना बना परिवार सहित मार दिया। ईरान के बड़े-बड़े फौजी कमांडर मारे जा चुके हैं। मार्च, 2026 में अमरीका-इसराईल द्वारा ईरान पर किए गए हमले का मुख्य कारण ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना, ईरान के मिसाइल विकास को सीमित करना और क्षेत्र में अमरीकी सहयोगियों पर ईरान समर्थित समूहों के हमलों को रोकना था। यह कदम 1979 से जारी दशकों पुराने भू-राजनीतिक तनाव, होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और शासन परिवर्तन के उद्देश्य से शुरू हुआ था। पाठकवृंद यह न समझें कि युद्ध में हारने वाला ही हारता है। जीतने वालों का भी कुछ नहीं बचता। युद्ध में कोख धरती मां की बांझ होती है। आपने मिसाइलों द्वारा बनाए गए गड्ढों को नहीं देखा? आकाश में धुएं के उठते गुबार को नहीं देखा? आपने दोनों ओर से मरते सैनिकों के शवों पर मंडराती चीलों को नहीं देखा? युद्ध किसी समस्या का हल नहीं। युद्ध स्वयं ही एक अनसुलझी समस्या है। युद्धों में देशों की सीमाएं बंट जाती हैं। युद्ध में विजयी हारने वाले देशों से जो व्यवहार करते हैं उससे मर जाना बेहतर है। जंग अमरीका ने शुरू की थी, अब अमरीका ही इसे खत्म करेगा। क्या अमरीका, इसराईल और ईरान युद्ध के प्रभावों से अनभिज्ञ हैं? टैंक जब चलते हैं तो वे अपना-पराया कुछ नहीं देखते? क्या अमरीका ने कभी सोचा है कि बच्चों, बूढ़ों और नारी जाति का युद्ध के बाद क्या हाल होता है? विधवा और बेबस मांओं के अपने पतियों या अपने बेटों के लिए क्रंदन को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जैसे नेता सुन पाएंगे? बंद करो यह लड़ाई, जिसमें सारी मानवता कराह रही है।

चुनाव में निर्णायक साबित हो सकती है नकद रेवड़ी

अजय बोकिल

देश के पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में से तीन पुदुच्चेरी, असम और केरल विस के लिए 9 अप्रैल को मतदान होने जा रहा है। ऐसे में इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि कौन-सा मुद्दा मतदाता को प्रभावित करेगा? कौन-सा फैक्टर गेमचेंजर हो सकता है? ऐसी कौन सी जादू की छड़ी है तो सत्ता परिवर्तन अथवा सत्ता में वापसी करा सकती है? गहराई से देखें तो बाकी मुद्दे एक तरफ नकदी रेवड़ी एक तरफ।

हाल के कुछ वर्षों में सत्तारूढ़ दलों के हाथ यह ऐसा नुस्खा हाथ लग गया है, जिसके चलते राज्यों में किसी भी सत्तासीन पार्टी को उखाड़ फेंकना विपक्षी दलों के लिए टेढ़ी खीर होता जा रहा है। इस रेवड़ी कल्चर की डिजाइन भी उन महिलाओं को ध्यान में रख कर की गई हैं, जिनकी संख्या कुल वोटरों का करीब आधी है और जिनका समर्थन किसी भी पार्टी को सत्ता में लौटा या सत्ता से हटा सकता है।

इसी दशक की बात करें तो इसकी शुरूआत सबसे पहले ममता बैनर्जी ने पश्चिम बंगाल के चुनाव में 2021 में 'लक्ष्मीर भंडार' नामक योजना से की थी, जिसके तहत हर महिला को 500 रु. प्रति माह दिए जाते थे। इसके बाद बंगाल की महिलाएं मोटे तौर ममता दीदी के साथ ही खड़ी रही हैं। हर चुनाव में इस राशि में 500 रु. की वृद्धि की जाती है। अब यह 1500 रु. है और इसमें भी एससी/एसटी को 1700 रू. हर माह मिलते हैं। इसका लाभ राज्य की करीब ढाई करोड़ महिला वोटरों को मिल रहा है। इस नकद रेवड़ी की चुनावी ताकत को भांप कर मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने सत्ता में आने पर इसकी राशि 3 हजार रू. प्रति माह करने का चुनावी वादा किया है। इसका राज्य की महिलाओं पर कितना असर होगा, यह तो नतीजों से पता चलेगा।

इस शर्तिया नुस्खे की शुरूआत तो ममता दीदी ने की थी, लेकिन 2023 में मध्यप्रदेश में मामा शिवराज ने इसे एक व्यवस्थित रूप दिया। इसके चलते मप्र में भाजपा भारी बहुमत से पांचवी बार सत्ता में लौटी तो अन्य राज्यों की सरकारों ने भी इस नकदी नुस्खे को अपनी गांठ में बांध लिया। यानी 2021 से अब तक देश में कुल 15 राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए, जिसमें 6 राज्यों में सत्तारूढ़ दल सत्ता में लौटे। फर्क ऐसी

योजना के नामों और राशि जरूर रहा है।

लेकिन भुगतान का तरीका वही सीधे खातों में ऑनलाइन भेजने का है। गरीब और निम्न वर्ग की महिलाओंके लिए छोटी-सी लगने वाली यह रकम भी बहुत मायने रखती है। उनके वोट की प्राथमिकता तय करने में इस रकम का निर्णायक रोल होता है। इसके आगे विचारधारा, अन्य सुख-सुविधाएं और विकास आदि की बाते गौण हैं। हाथ खर्च के लिए बिना किसी मेहनत के मिलने वाले दो पैसे भी भगवान मिलने जैसे हैं। पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों में केवल आंध्र प्रदेश और दिल्ली प्रदेश के विस चुनावों को अपवाद जहां, महिलाओंको नकदी बांटने का फार्मूला सत्तारूढ़ दल को चुनाव नहीं जितवा पाया। वहां राज कर रही पार्टी के बाकी शायद पाप नकदी खैरात पर भारी पड़े।

ये राज्य हैं-आंध्र प्रदेश, जहां 2020 में सत्ता में आई वायएसआर कांग्रेस ने महिलाओं को वायएसआर चेयुथा नामक योजना के तहत एकमुश्त 18 हजार 759 रूपए देना शुरू किया था, लेकिन 2024 का विधानसभा चुनाव वो बुरी तरह हारे। ऐसा लगता है कि मासिक नकदी महिलाओं को ज्यादा फायदेमंद लगती है, बजाए कोई धंधा करने के लिए दी गई एक मुश्त रकम के। इसी तरह दिल्ली में दो बार से विधानसभा चुनाव जीत रही आम आदमी पार्टी तीसरी बार सत्ता में नहीं लौट सकी, क्योंकि उसने दिल्ली की महिलाओं को 'महिला समृद्धि योजना' के तहत प्रतिमाह 2500 रू. देने का वादा तो किया, लेकिन देना शुरू नहीं किया। हालांकि दे तो अब वहां की बीजेपी सरकार भी नहीं रही है। लिहाजा अगला चुनाव उसके लिए भी कठिन साबित हो सकता है।

मप्र में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1250 रू, तेलंगाना में महालक्ष्मी योजना के अंतर्गत 2500 रू, महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में 1500 रू, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी योजना के तहत 2000 रू, बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत एक मुश्त 10 हजार रू, तमिलनाडु में कलैनार मगालिर उरिमई थोगई (महिला अधिकार अनुदान) के तहत 1 हजार रू., झारखंड में सीएम मइया योजना में 2500 रू, ओडिशा में सुभद्रा योजना 833 रू., छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के तहत 1 हजार रू. असम में अरूणोदय योजना के अंतर्गत 1250 रू. हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना के अंतर्गत 2100 रू तथा हिमाचल प्रदेश में इंदिरा गांधी प्यारी बहना योजना में 1500 रू. प्रति माह महिलाओं को दिए जा रहे हैं।

केरल में सीधे तौर पर नकदी देने की योजना नहीं है, लेकिन वहां कम्युनिस्टों ने तीन दशक पहले कुटुंबश्री योजना शुरू की थी, जिसकी आज 46 लाख से ज्यादा लाभार्थी दीदियां हैं। योजना के तहत सरकार महिलाओं को छोटा व्यवसाय शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता देती है। ये वाम दलों की ताकत हैं।

इसी तरह पुदुच्चेरी में होने वाले चुनाव में भी नकदी रेवड़ी की चर्चा नहीं है। लेकिन महिलाओं को सीधे नकदी के दम पर महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, मप्र, झारखंड, असम, और हरियाणा में सरकारें तमाम एंटी इनकम्बेंसी को मात देकर सत्ता में लौटी हैं और तेलंगाना,कर्नाटक, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और हिमाचल की सरकारें इसे आगामी विस चुनावों में आजमाएंगी। इसका अर्थ यह नहीं कि सत्तारूढ़ दलों की सरकार में वापसी का यही एक कारण है, लेकिन यह महत्वपूर्ण कारण जरूर है। जैसे-जैसे महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत बढ़ रहा है, वैसे-वैसे इस योजना का राजनीतिक फलित भी सुखकर साबित हो रहा है।

जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, उनमें केन्द्र शासित राज्य पुदुच्चेरी को छोड़ दें तो बाकी चार में नकदी रेवड़ी के इर्दगिर्द ही राजनीतिक पार्टियों के घोषणा पत्र और चुनावी व्यूहरचना दिखाई देती है। मसलन केरल में वाम दलों के गठबंधन एलडीएफ ने महिलाओंको सीधे नकदी का तो कोई वादा नहीं किया है, लेकिन मुख्य विपक्षी कांग्रेस नीत यूडीएफ ने इंदिरा गारंटी के तहत महिलाओं तो 3000 रू पेशंन तथा फ्री बस पास की पेशकश की है। वहीं भाजपानीत एनडीए भी 3 हजार रू. पेंशन देने की वकालत कर रहा है। मतदाता किस पर भरोसा करेगा, यह नतीजे बताएंगे।

इसी तरह असम में महिलाओं को नकदी देने की अरूणोदय योजना पहले से लागू है। लेकिन वहां विपक्षी कांग्रेस ने महिलाओं को कारोबार के लिए साल में 50 हजार रुपये देने और हर परिवार को 25 लाख रुपये का कैशलेस हेल्थ कवर देने के वादा किया है। साथ ही कांग्रेस ने राज्य के 6 समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाने का वादा किया है। यही बात अब सत्तासीन भाजपा भी कह रही है।

तमिलनाडु में वर्तमान डीएमके सरकार मघालिर उरिमई थोगई योजना के तहत हर माह 1 हजार रू. दे रही है और सत्ता में वापसी पर इसे बढ़ाकर 2 हजार रू. करने का वादा है। ऐसा ही वादा विपक्षी एआईएडीएमके ने भी किया है। साथ में वह महिलाओं को व्यवसाय के लिए 10 हजार रू. एकमुश्त भी देगी।

पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा चुनावी घमासान है, जहां एसआईआर के साथ-साथ सीबीएस (कैश बेनिफिट स्कीम) भी उतनी ही मायने रखती है। ममता दीदी तो अभी प्रति महिला 1500/1700 रू. दे ही रही है, सत्ता की दावेदार भाजपा ने इसे बढ़ाकर 3 हजार करने और सरकारी कर्मचारियों को डीए का बकाया भुगतान करने का वादा भी किया है। जहां देश के अन्य राज्यों में आठवे पे कमीशन की बात हो रही है, वहां पश्चिम बंगाल में अभी भी 6 वेतन आयोग की लागू है।

विस चुनावों में महिलाओं के वोट की कीमत इसी से समझी जा सकती है कि इन पांच राज्यों में कुल 17.4 करोड़ वोटर है, जिनमें से लगभग आधी महिलाएं हैं। तमिलनाडु और केरल में तो महिला वोटरों की संख्या पुरूषों से ज्यादा है। ऐसे में अगर बदलाव की कोई आंधी नहीं चली और नकद रेवड़ी का नुस्खा असर कर गया तो सत्तासीन दलों की सरकार में वापसी ज्यादा मुश्किल नहीं होनी चाहिए।

यह बात अलग है कि इस तरह नकद पैसा बांटने से सभी सम्बन्धित राज्यों पर सालाना 2 लाख 46 हजार करोड़ रू. का बोझ पर पड रहा है। इस घाटे की भरपाई का कोई प्रभावी उपाय उनके पास नहीं है। कुछ राज्य तो कंगाली की तरफ जा रहे हैं। लेकिन सत्ता है तो सब कुछ है, के सिद्धांत के तहत राज्यसत्ता को पाना ही राजनीतिज्ञों के लिए सर्वोपरि है, भले ही इसकी कोई भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े।

पुराण दिग्दर्शन ....

सन्देहाभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे...)

(विश्वामित्र जी कहते हैं कि) हे राम! उस दिन से महात्मा गोत्तम जी के प्रभाव एवं तपोबल से इन्द्रदेव मेंढे के वृषणों वाले हो गये ।।10।। (ख) गोत्तमजी के शाप से इन्द्र के शरीर में सहस्रों भग हो गई थीं। परन्तु पश्चात् सूर्य भगवान् के वरदान से वे भगचिह्न नेत्रों के रूप में परिवर्तित हो गये- अतः इन्द्र को सहस्राक्ष कहते हैं।।10।।

उपर्युक्त प्रमाणों द्वारा स्पष्ट है कि इन्द्र ने देव-कार्य-सम्पादनार्थ ही अहल्या का धर्षण किया था, इसी लिये पीछे सब देवताओं ने इन्द्र को सवृषण बनाने में, किंवा कल्पान्तर में सहस्र भगधारी के बजाय सहस्राक्ष करने में जी तोड़ कर प्रयत्न किया था। अन्यथा देवताओं की भरी पञ्चायत में बार-बार सुरकार्य मया कृतम् सुरकार्यकरं इत्यादि इन्द्रदेव के निहोरे क्या माने रखते थे?- सो सुरम्य दण्डक वन को उजाड़ बना देने वाले गोत्तम जी के राष्ट्र-विघातक तपोबल को अपहरण करने के लिए- समस्त देवताओं की सलाह से किया हुआ।

अहल्या-धर्षणरूप अकार्य राष्ट्रभक्तों की दृष्टि में किसी प्रकार भी अपराध नहीं हो सकता क्योंकि इससे जहाँ एक स्त्री के घर्षण का पाप (जो कि अहल्या को ब्रह्मा की मानसी पुत्री और इन्द्र को दिव्य-देहधारी मानने की दशा में अमैथुनी सृष्टि विषयक होने के कारण शास्त्रदृष्टि से पाप ठहरता भी नहीं होता होगा, वहां अनन्त प्राणियों की आशङ्कित आपत्ति का परिहार हो जाने के कारण महान् पुण्य भी तो होता ही होगा! अतः अनेकान्त-वाद सिद्धांत के अनुसार इन्द्र का यह कर्तव्य किसी प्रकार भी दोषास्पद नहीं माना जा सकता, जैसा कि भगवद्गीता में भगवान् ने आदेश दिया है-

स्वल्पमप्यस्य धर्मस्य त्रायते महतो भयात्।

(भगवद् गीता 2।40)

क्रमशः ...

बंकिम चंद्र चटर्जी

सुभम

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय भारत के एक प्रसिद्ध लेखक, कवि और पत्रकार थे। उन्हें बंगाली भाषा का साहित्य सम्राट कहा जाता है। उनका जन्म 27 जून 1838 को और निधन 8 अप्रैल 1894 को हुआ था। वे भारतीय राष्ट्रवाद के शुरुआती समर्थकों में से एक थे और उनकी रचनाएं स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा देती थीं। उनकी सबसे प्रसिद्ध रचना वंदे मातरम् है जो आजादी की लड़ाई का नारा बन गया। 8 अप्रैल को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर बंकिम चंद्र चटर्जी के बारे में विस्तार से जानेंगे।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय (बंकिम चंद्र चटर्जी) को बंगाली साहित्य के सबसे महान लेखकों में से एक माना जाता है। उनकी कहानियों और उपन्यासों ने भारतीय साहित्य को नई दिशा दी और अंग्रेजों के शासन में लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाई। बंकिम का नाम आज भी राष्ट्र प्रेम और भारतीय पहचान का प्रतीक है क्योंकि उनका लिखा वंदे मातरम् गीत स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा बना।

1838 में नैहाटी (पश्चिम बंगाल) में जन्मे बंकिम ने बंगाली और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में शिक्षा ली। बंकिमचंद्र की शिक्षा हुगली कॉलेज और प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता में हुई। साल 1857 में उन्होंने बीए पास किया और 1869 में कानून की डिग्री हासिल की। प्रेसीडेंसी कॉलेज से बीए की उपाधि लेने वाले ये पहले भारतीय थे। शिक्षा समाप्ति के तुरंत बाद डिप्टी मजिस्ट्रेट पद पर इनकी नियुक्ति हो गई। कुछ काल तक बंगाल सरकार के सचिव पद पर भी रहे। रायबहादुर और सीआईई की उपाधियां पाईं। और 1891 में सरकारी सेवा से रिटायर हुए।

उनकी रचनाएं भारतीय संस्कृति और सोच को उजागर करती हैं। उन्होंने अपने साहित्य से लोगों को जागरूक किया और आजादी की भावना को मजबूती दी।

वंदे मातरम बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंदमठ का एक गीत है। बाद में यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय गौरव के परिदृश्यों के उपयोग के लिए एक राष्ट्रगान बन गया। मातृभूमि के लिए एक भजन के रूप में, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1870 के दशक में 'वंदे मातरम' लिखा था।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का निधन 8 अप्रैल 1894 को हुआ और वे ऐसे महान लेखक और विचारक थे, जिन्होंने भारतीय साहित्य और समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने 19वीं सदी में भारत में सांस्कृतिक जागरूकता की शुरुआत की और समाज को आत्मसम्मान व राष्ट्रभक्ति की भावना से जोड़ा। उनकी रचनाएं, खासकर वंदे मातरम्, ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। यह गीत आज भी भारतीयों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाता है।

उनके द्वारा रचित उपन्यासों में 'दुर्गेशनंदिनी', 'आनंदमठ', 'कपालकुंडला', 'मृणालिनी', 'राजसिंह', 'विषवृक्ष', 'कृष्णकांत का वसीयतनामा', 'सीताराम', 'राधारानी', 'रजनी' और'इंदिरा' प्रमुख हैं। इन सभी उपन्यासों की विशेषता यह है कि इनके पात्र ऐतिहासिक या तत्कालीन समाज से लिए गए हैं।

मॉस्को में तय होगा खाड़ी युद्ध का भविष्य

अभिनय आकाश

मिडिल ईस्ट में जो जंग जारी है उसमें भले तीन देश उलझे हुए हैं। ईरान, इजराइल और अमेरिका। साथ ही साथ खारी के देश भी उलझे हुए हैं। लेकिन इसका सबसे बड़ा विनर सबसे बड़ा बाजीकर्ता जो कहते हैं यानी बाजीगर वो रूस है। उसके सबसे बड़ा फायदा जो है व्लादमीर पुतिन को मिल रहा है। व्लादमीर पुतिन जो चार से पांच साल से यूक्रेन में जंग लड़ रहे हैं और जो धैर्य दिखा रहे थे युद्ध खत्म नहीं हो रहा था। अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा था। अब ऐसा लग रहा है कि बदला लेने की बारी जो है पुतिन की है। यानी क्या पुतिन तय करेंगे कि ईरान, इजराइल जंग किस ओर जाएगा और ट्रंप क्या करेंगे? यानी कि जो दूसरा विश्व युद्ध या तीसरा विश्व युद्ध कहा जा रहा था या जिसे तीसरा शीत युद्ध कहा जा रहा था उसके बाजीगर जो है पुतिन है। अब वो नियम डिसाइड करेंगे कि किधर जाने वाला है और ट्रंप का भविष्य क्या होगा। ट्रंप के सामने पुतिन ने वह शर्त रखी है जिसके बारे में कहा जा रहा है कि ट्रंप के लिए मना करना मुश्किल है और ट्रंप शायद वह मान भी गए हैं। हालांकि इतनी जल्दी वो नहीं मानेंगे समय लगेगा लेकिन उन्हें आखिरकार ट्रंप की वो बात माननी ही होगी जो पिछले हफ्ते पुतिन ने अपने दूत के हवाले से दिया था। ट्रंप ईरान में हमले करके या जंग छेड़ के बुरी तरीके से फंस गए हैं। उनको बाहर निकलने का मौका नहीं मिल रहा है। एक फेस सेविंग नहीं मिल रही है कि कैसे इस जंग से बाहर निकले। वो सत्ता में जब दूसरी बार आए थे तो अपने कैंपेन में अपने मेगा सपोर्टर्स को यह कह करके आए थे कि वो दूसरी जंग या कोई नई जंग की शुरुआत नहीं करेंगे। लेकिन जिस तरीके से इजराइल के कहने पर ईरान पे हम उन्होंने हमले किए और उसके बाद जब स्टेट ऑफ हार्मोस बंद हुआ लगातार उनकी जो आपूर्ति गोला बारूद की है मिसाइल की है उनके जो सहयोगी देश है खारी के उन पे हमले शुरू हुए चीखें निकली तो इससे निकलने का मौका नहीं मिल रहा है आखिर बूट्स ऑन द ग्राउंड करेंगे तो उसके भी

बॉडी बैग्स तो आएंगे जो इराक में हुआ था अफगानिस्तान में हुआ था।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने गुरुवार को कहा कि रूस ईरान संघर्ष के समाधान में योगदान देने के लिए तैयार है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन क्षेत्रीय नेताओं से बातचीत जारी रखे हुए हैं। पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा कि राष्ट्रपति इन संपर्कों को जारी रखे हुए हैं, और यदि किसी भी तरह हमारी सेवाओं की आवश्यकता होती है, तो हम निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करने में अपना योगदान देने के लिए तैयार हैं कि सैन्य स्थिति जल्द से जल्द शांतिपूर्ण मार्ग पर अग्रसर हो। पेस्कोव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान युद्ध पर राष्ट्र के नाम दिए गए भाषण और नाटो से अमेरिका को बाहर निकालने पर विचार करने संबंधी उनके अलग बयान के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। पेस्कोव ने कहा कि रूस नाटो को एक शत्रुतापूर्ण गठबंधन के रूप में देखता है।

ईरान की जो युद्ध लड़ने की कला है अब ड्रोन पे की गई है। वर्टिकल युद्ध ईरान ने शुरू कर दिया है। उसके बाद कहा जा रहा है कि ट्रंप और पुतिन के बीच में जो है उनके दूतों के माध्यम से बातचीत हुई है और पुतिन ने कुछ शर्तें रखी हैं। पुतिन ने क्विट प्रोक वाली नीति अपनाई है। यह वो नीति है जिसके तहत एक हाथ दो दूसरे हाथ लो। यानी कि कुछ तुम दो कुछ हम दें। इसके तहत ईरान में जो रूस मदद कर रहा है ईरान को वह मदद मदद बंद कर देगा। अगर ट्रंप यूक्रेन की मदद करना बंद कर देते हैं। यानी कि पुतिन ने कहा कि आप यूक्रेन जंग से हाथ पीछे खीचेंगे। फंडिंग-हथियार देना बंद करेंगे। तो हम भी ईरान को मदद करना बंद करेंगे। ईरान की जो सैन्य ताकत है बहुत हद तक खत्म हो गई है। जिस तरीके से ईरान इजराइली अमेरिकी जहाज फाइटर जेट्स धरले से जाते हैं बिना रडार की नजर में आए हुए बमबारी करते हैं और वापस चले जाते हैं। ईरान को पता तक नहीं चलता क्योंकि उसका एयर डिफेंस सिस्टम पहले ही जून में खत्म हो गया था। इस बार भी पहले ही दिन खत्म हो गया 28 फरवरी को।

वलोडिमिर ज़ेलेंस्की का कहना है कि उनके पास इस बात के सबूत हैं कि रूस ने ईरान को मिसाइल या ड्रोन हमले के लिए उस विमान के सटीक निर्देशांक मुहैया कराए थे, ग्रॉसफेल्ड ने यह बात बताई। ज़ेलेंस्की ने एनबीसी न्यूज़ को राफ सांचेज़ के साथ एक वीडियो इंटरव्यू में बताया कि ईरान द्वारा हमले से कुछ दिन पहले रूस ने सऊदी अरब में प्रिंस सुल्तान बेस की तीन बार सैटेलाइट तस्वीरें ली थीं। लंदन के किंग्स कॉलेज में रूस द्वारा पश्चिम के खिलाफ चलाए जा रहे गुप्त युद्ध और विश्वव्यापी खुफिया अभियानों की एक प्रमुख विशेषज्ञ एलेना ग्रॉसफेल्ड कई प्रभावशाली लेख लिखे हैं, का कहना है कि रूस के इमेजिंग सैटेलाइट AWACS पर ईरानी हमले के लिए सटीक निर्देशांक प्रदान कर सकते थे। चार हफ्ते पहले सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर हुए एक हमले में अमेरिकी सेना के 26 वर्षीय जवान बेंजामिन पेनिंगटन की मौत हो गई। वे .S. Army Space and Missile Defense Command में तैनात थे और 1 मार्च को हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके एक सप्ताह बाद उनका निधन हो गया। पेनिंगटन को Global War on Terrorism Service Medal से सम्मानित किया गया था और वे 10 जून 2025 को vst Space Battalion, vst Space Brigade में नियुक्त हुए थे।

विशेषज्ञ ग्रॉसफेल्ड के अनुसार रूस और ईरान के बीच रक्षा और हथियार तकनीक को लेकर कई दशकों से सहयोग रहा है, खासकर ईरान के मिसाइल विकास कार्यक्रम में। हालांकि अभी तक ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है कि रूसी विशेषज्ञ ईरान को आईसीबीएम या एंटी-सैटेलाइट मिसाइल बनाने में सीधे मदद कर रहे हैं, लेकिन अमेरिका सरकार इन बढ़ते रक्षा संबंधों पर नजर बनाए हुए है। अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन पर रूस के हमलों के बाद ईरान ने रूस को ड्रोन, गाइडेड बम, तोपखाने का गोला-बारूद और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें भेजीं, जिसके बदले रूस ने ईरान को मिसाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और एयर डिफेंस तकनीक में अभूतपूर्व सहयोग देना शुरू किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रूस और ईरान मिलकर ऐसे हथियार प्लेटफॉर्म विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं जो स्पेस एक्स स्टारलिंक सैटेलाइट सिस्टम को निशाना बना सकें।

ईरान में अवैध रूप से तस्करी करके लाए गए स्टारलिंक टर्मिनल रखने या इस्तेमाल करने वालों को कड़ी सजा, यहां तक कि मौत की सजा तक का सामना करना पड़ सकता है। ये टर्मिनल उन लोगों के लिए इंटरनेट का जरिया बन रहे हैं जो सरकार द्वारा लगाए गए इंटरनेट ब्लैकआउट के बावजूद दुनिया से जुड़ना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने ईरान की मदद की है ऐसे ड्रोन विकसित करने में जो छतों पर छिपाए गए स्टारलिंक उपकरणों का पता लगा सकें, साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर तकनीक भी दी है जिससे सैटेलाइट और जमीन पर मौजूद रिसीवर के बीच सिग्नल को जाम किया जा सके। विशेषज्ञ ग्रॉसफेल्ड का मानना है कि अगर ईरान इस तकनीक में सफल होता है, तो रूस भी यूक्रेन में अपने युद्ध के दौरान स्टारलिंक सिस्टम को निशाना बनाने के लिए इन्हीं तरीकों का इस्तेमाल कर सकता है।

आज का इतिहास

1831 प्रसिद्ध समाज सुधारक राजा राम मोहन राय इग्लैंड पहुंचे ।
1832 चार्ल्स डार्विन रियो डी जनेरियो से यात्रा शुरू की।
1864 अमेरिकन सिविल वॉर-ए मैनस्फील्ड के निर्णायक संघर्ष में जीत ने यूनियन आर्मी की रेड रिवरकैंप की बढ़त को रोक दिया।
1866 इटली और पर्शिया के राज्यों ने ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के खिलाफ एक गठबंधन बनाया।
1879 पहली बार कांच की बोतलों में दूध बेचना शुरू किया गया।
1886 ब्रिटिश प्रधान मंत्री विलियम ग्लेडस्टोन ने ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में पहला आयरिश होम रूल बिल पेश किया।
1904 ब्रिटेन और फ्रांस ने एंटेंटे कॉर्डियल पर हस्ताक्षर किया।
1904 न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन के लॉन्गाक्रे स्क्वायर का नाम बदलकर द टाइम्स स्क्वायर रख दिया गया।
1904 ब्रिटिश धर्मविज्ञानी और लेखक अलेस्टर क्रॉले ने द बुक ऑफ द लॉ, थेलेमा में एक पवित्र पुस्तक की शुरुआत की।
1911 डच भौतिक विज्ञानी हइके कामरलिंगह ओन्स ने खोजा है।
1912 नील नदी में जहाजों के आपसी भिड़त के बाद इसमें सवार 200 से अधिक लोगों की डूबकर मौत।
1944 टेनिस कोर्ट की लड़ाई कोहिमा की लड़ाई के रूप में शुरू हुई।
1947 अमेरिकी उद्योगपति हेनरी फोर्ड का 83 वर्ष की उम्र में निधन।
1961 ब्रिटिश जहाज दारा का फारस की खाड़ी में गिरने से 236 लोगों की मौत।
1968 बीओएसी फ्लाइट 712 को लंदन हीथ्रो हवाई अड्डे से टेक-ऑफ करने के तुरंत बाद एक इंजन में आग लग गई, जिससे फ्लाइट अटेंडेंट बारबरा जेन हैरिसन सहित पांच लोगों की मौत हो गई, जिन्हें दुर्घटना के दौरान उनकी वीरता के लिए मरणोपरांत जॉर्ज क्रॉस से सम्मानित किया गया था।
1978 ब्रिटिश में संसद की कार्यवाही के नियमित रेडियो प्रसारण शुरू किया गया।
1980 आइलैंडर पोटविन के 2 शॉर्टहैंड गोल एनएचएल रिकॉर्ड बनाम किंग्स टाई करते हैं और 1 अवधि में एनएचएल 2 शॉर्ट हैंड प्लेऑफ गोल सेट करते हैं।
1988 जनरल वेंग शांग कुन चीन के राष्ट्रपति निर्वाचित।
1990 नेपाल के बिरेंद्र ने हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध हटाया गया।
1991 आई हेट हैलमेट को न्यूयॉर्क शहर के वाल्टर केर्न थिएटर में रिलीज़ किया गया था। यह 88 दिनों तक हाउसफुल चला।
1991 बिल शोमेकर एक भयानक कार दुर्घटना में लकवाग्रस्त हो गया था। वो घायल हुआ।

बंगाल विधानसभा चुनावों से पूर्व फिर खेल हुआ प्रारंभ

मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधनासभा चुनाव घोषित हो चुके हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे वैसे राज्य की राजनीति का पारा चढ़ रहा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए अपने प्रचार को आक्रामक बना चुकी हैं। उनके लिए इस बार राह उतनी आसान नहीं है। भारतीय जनता पार्टी भी इस बार हर हाल में बंगाल में अपनी सरकार बनाने को संकल्पबद्ध है। बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सभा में कहा था कि गंगा नदी बिहार से ही बंगाल में जाती है और उसी दिन से बंगाल मे राजनीतिक तपिश का अनुभव होने लगा था।

बंगाल में ममता दीदी के चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की राह बहुत आसान नहीं है क्योकि कांग्रेस और वामपंथी दल भी पूरी ताकत से ममता दीदी को हराने के लिए काम कर रहे हैं। उनकी अपनी ही पार्टी के निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर मस्जिद की नींव रखने और फिर नयी पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर राजनैतिक ध्रुवीकरण की समस्या पैदा कर दी है। मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर के कदमों का ममता दीदी की सरकार ने कोई प्रतिवाद नहीं किया कि कहीं उनके मुस्लिम मतदाता नाराज न हो जाएं। बंगाल की कानून व्यवस्था भी ममता बनर्जी के लिए चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए समस्या पैदा कर सकती है। संदेशखाली में महिलाओं के साथ घटित वीभत्स घटना के आरोपी को बचाने से लेकर आर. जी कर में महिला डाक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की भयंकर घटना में शामिल तृणमूल समर्थकों को बचाने के प्रयास चुनाव प्रचार के दौरान जमकर उछाले जायेंगे। इसके अलावा बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार अनेक घोटालों में बुरी तरह से फंसी हुई है और उन सभी घोटालो की जांच रही है।

चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची के शुद्धीकरण के गहन अभियान को ममता बनर्जी ने जिस तरह बाधित करने का प्रयास किया उससे उनकी अपनी ही छवि ख़राब हुई है। मतदाता शुद्धीकरण अभियान के दौरान ममता बनर्जी व उनकी पार्टी ने पूरा दम लगा दिया कि किसी प्रकार इस कार्य को बाधित किया जाए या रोक दिया जाए। ममता की ओर से एसआईआर को लेकर भ्रम पैदा करने के पूरे प्रयास किए गए जिसमें उनकी ओर से पहले कहा गया कि वह एसआईआर फार्म नहीं भरेंगी और फिर उन्होंने भर भी दिया।

आई पैक घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के दौरान ममता जी जिस तरह पुलिस लेकर पहुँच गयीं वह हास्यास्पद था लेकिन अब उनके लिए अत्यंत गंभीर समस्या बनने जा रहा है। अब आई पैक का प्रकरण हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। ममता दीदी ने कहा है कि बीजेपी ईडी के सहारे उनकी पार्टी की रणनीति चुराना चाहती है। आई-पैक प्रकरण को लेकर वह अत्यंत आक्रामक मुद्रा हैं। आई-पैक प्रकारण में ग्रीन फाइल को लेकर प्रश्न किया जा रहा है कि आखिर उन ग्रीन फाईल में ऐसा क्या था जिसे पाने के लिए ममता दीदी ने राज्य पुलिस की पूरी ताकत लगा दी। अब ईडी उन फाईल्स को तत्काल पाने के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच गई है। अदालत में दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी याचिकाएं लगा दी है। आई-पैक प्रकरण में ईडी की छापेमारी की खबर मीडिया में आग की तरह फैली और उसके बाद से ही कोलकाता से लेकर नई दिल्ली तक राजनीतिक हलचल तीव्र हो गई।

टीवी चैनलों पर संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमने वाले आ गए और कहा जाने लगा कि चुनाव से दो-तीन महीने पहले ही यह छापेमारी क्यों शुरू हो जाती है? जबकि वास्तविकता यह है कि यह जांच काफी समय से चल रही है इस घोटाले की जांच रुकवाने के लिए तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी ने एक याचिका दायर की थी जो खारिज हो चुकी है। ईडी का यह छापा तृणमूल कांग्रेस आईटी सेल के हेड प्रतीक जैन के घर और कार्यालय पर पड़ा था और माना जा रहा है कि उनके रिश्ते चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से भी हैं बिहार में अपनी सरकार बनने का सपना देखने वाले प्रशांत किशोर बंगाल में ममता दीदी के प्रमुख रणनीतिकारों में से एक हैं। यही कारण है कि जब ईडी का छापा पड़ा और ममता दीदी की पुलिस ने ईडी के कब्जे से ग्रीन फाइल अपने कब्जे में ली तभी से यह आरोप लगाया जाने लगा कि आखिर ममता दीदी की दाल में कुछ तो काला है । आखिर क्यों उन्हें ग्रीन फाइलों से इतना लगाव है? पहले ममता जी धमकी देते हुए कह रही थीं कि अगर वह बीजेपी के कार्यालाय में घुस गयीं तो क्या हो जाएगा और अब कह रही हैं कि जब बीजेपी को पता चला कि अबकी बार बीजेपी को पहले की तुलना में भी कम सीटें आ रही हैं तब उन्होंने हमारी रणनीति चुराने का प्रयास किया। जबकि प्रवर्तन निदेशालय ने अब सरकारी काम में बाधा डालने तथा कोयला घोटाले में ममता दीदी व तृणमूल सरकार को आरोपी बनाने का फैसला किया है।

ममता दीदी के सामने अब वैसी गंभीर चुनौती है जैसी दिल्ली के मुख्यंमत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष आ गई थी। अगर ममता दीदी को कोर्ट से राहत नहीं मिलती या वे ग्रीन फाइल्स को लेकर जांच एजेंसियों के साथ टकराव का रास्ता अपनाती हैं तो केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने पर मजबूर हो सकती है। बंगाल में लंबे समय से कई अवसरों पर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग भाजपा व अन्य संगठनों की ओर से लगातार की जा रही है किंतु अभी तक केंद्र की राजग सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जबकि राज्य में चुनावों के समय तृणमूल कांग्रेस के संगठित अपराधियों द्वारा चुनावी हिंसा का दौर प्रारंभ हो जाता है जिसके शिकार भाजपा व हिंदू संगठनो के कार्यकर्ता होते हैं। अभी आई -पैक प्रकरण के दौरान मची हलचल के बीच भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की कार पर हमला बोला गया और वह आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए।

ऐसा नहीं है कि ममता दीदी का जांच एजेंसियों के साथ टकराव पहली बार हुआ हो इससे पहले 27 अक्तूबर 2023 को जब राशन घोटाले में तत्कालीन मंत्री ज्योतिप्रिया मल्लिक को गिरफ्तार किया तब ममता उनके बचाव में उतरीं थीं। 11 अगस्त 2022 सीबीआई ने पशु तस्करी में तृणमूल नेता अनुव्रत मंडल को गिरफ्तार किया वह भी ममता दीदी के करीबी थे। 23 जुलाई 2022 को स्कूल भर्ती घोटाले में ईडी ने शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया। 6 सितबर 2021 को नारद स्टिंग केस में सीबीआई ने तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार किया तब ममता दीदी ने सीबीआई के कार्यालय के बाहर 6 घंटे धरना दिया। 6 सिंतबर 2021 को ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोयला घोटाले में 9 घंटे तक पूछताछ हो चुकी हैं। बंगाल के राजनीतिक इतिहास में सबसे बड़ा शरदा चिटफड घोटाला हुआ है जिसकी जांच के दायरे में ममता दीदी सीधे फंसी हुई हैं ।

आगामी सप्ताह में बंगाल की राजनीति और चटखदार होने वाली है क्योंकि अब दोनों पक्षों नें एक दूसरे पर वार-पलटवार तेज कर दिए हैं। अदालतों का निर्णय बंगाल विधानसभा चुनावों की दिशा और दशा तय करने वाले हो सकते हैं।

पाकिस्तान की धमकी को गहराई से समझा जाए, समय के मद्देनजर

पवन

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत को एक बार फिर जो गीदड़भभकी दी है, उससे पड़ोसी मुल्क की नीयत का ही पता चलता है। ऑपरेशन सिंदूर के समय से ख्वाजा आसिफ अपने बड़बोलेपन का परिचय कई बार दे चुके हैं, लेकिन इस बार कोलकाता तक पहुंचने की धमकी देने के निहितार्थ ज्यादा गंभीर व गहरे हैं।

यह धमकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस कड़े संदेश के ठीक बाद आई है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का अभूतपूर्व और निर्णायक जवाब देने की चेतावनी दी थी। ध्यान देने वाली बात है कि कोलकाता (पश्चिम बंगाल) देश के पूर्वी हिस्से में स्थित है, जो पाकिस्तान के साथ कोई सीधी सीमा साझा नहीं करता। इसे लक्ष्य बनाना साफ तौर पर इंगित करता है कि पाकिस्तान अब सीमा पर सीमित संघर्ष नहीं, बल्कि भारत के सुदूर क्षेत्रों में अस्थिरता फैलाने का सपना देख रहा है। यह वही ख्वाजा आसिफ हैं, जिन्होंने हाल ही में भारत पर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ साजिशें रचने का आरोप लगाया था।

दरअसल, यह पाकिस्तान की परंपरागत नीति रही है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है और फिर खुद पीड़ित होने का ढोंग भी रचता है। दूसरी ओर, ख्वाजा के बयान का समय भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद राज्य की तृणमूल सरकार तेजी से गोलबंदी कर रही है। हाल ही में, मालदा में भीड़ द्वारा न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना के बाद खुद सर्वोच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक दृष्टि से सर्वाधिक ध्रुवीकृत राज्य बताया है।

ऐसे में, बाहरी खतरे का संदर्भ राजनीतिक विमर्श को अधिक तीखा बना सकता है। जब पाकिस्तान का रक्षा मंत्री कोलकाता का नाम लेता है, तो इसे संयोग नहीं, बल्कि गहरे अर्थों में देखा जाना चाहिए। बंगाल का क्षेत्र विभाजन, सांप्रदायिक हिंसा और खासकर नोआखाली की त्रासदी जैसे अध्यायों से गुजरा है। ऐसे में जाहिर है कि कोलकाता का जिक्र वर्तमान राजनीति तक सीमित न होकर इतिहास की संवेदनशील परतों को भी छूता है। आश्चर्य नहीं, अगर पाकिस्तान, भारत की आंतरिक राजनीति को भुनाकर पूर्वी मोर्चे पर अशांति फैलाना चाहता हो।

पाकिस्तान की यह रणनीति कोई नई नहीं है। वह जानता है कि भारत से पूर्ण युद्ध में उसकी हार तय है। आर्थिक तौर पर भी उसकी हालत किसी से छिपी नहीं है, इसलिए वह ऐसे हथकंडे अपनाता है। अमेरिकी कांग्रेस की पिछले ही महीने जारी रिपोर्ट में पाकिस्तान को आतंकवाद का गढ़ बताया गया है। ऐसा देश अगर अपनी जनता को भुखमरी और अराजकता में झोंककर भारत को डराने का स्वांग रचता है, तो यह उसकी हताशा, दिवालियेपन और सैन्य असमर्थता को छिपाने की कोशिश ही है।

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरुआत में आप' ने नई राजनीति' का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरुआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा—ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है—कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी।

आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे सामूहिक नेतृत्व' की अवधारणा कमजोर पड़ी है।हालांकि दिल्ली में कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन अन्य राज्यों में विस्तार के दौरान आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पंजाब में सत्ता मिलने के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं, जिससे पार्टी की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का उदय भारतीय लोकतंत्र में एक सकारात्मक प्रयोग था, जिसने राजनीति में नई सोच और उम्मीद पैदा की। लेकिन यदि पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पर लौटना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अन्यथा, आम आदमी' की उम्मीदों पर खरा उतरने का दावा धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाएगा।

अगर हम आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसदों पर नजर डाले तो अप्रैल 2026 तक, आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 10 सांसद हैं, जो मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली से हैं। हाल ही में हुए बदलावों में, अशोक मित्तल को राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया गया है। अब ऐसे में अगर अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों की बात करें तो अब कुछ ही साथी शेष बचे हैं। ऐसे में क्या पार्टी इस अंतकलह को बचायेगी ? क्या राघव चढ्डा से सुलह हो जायेगा ? आदि ऐसे विषय हैं जिनका हल सिर्फ सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास है।

पश्चिम एशिया संकट और भारत की भूमिका

अनिल त्रिगुणायत

ईरान पर युद्ध थोपने के महीना भर बाद अमेरिका हांफने लगा है और इसके सबूत दिखने लगे हैं। कई अमेरिकी विमानों को मार गिराने के ईरान के दावों पर अगर विश्वास न किया जाये, तो भी कम से कम एक अमेरिकी विमान को निशाना बनाने और एक अमेरिकी पायलट के गायब होने की सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि उसे अमेरिका ने ढूंढ लिया है। यह भी स्पष्ट है कि ईरान को नेस्तनाबूद करने की अमेरिकी आक्रामकता अब होर्मुज जलडमरुमध्य को खोलने की जिद पर अड़ गयी है, लेकिन यूरोप के देश अब ट्रंप की महत्वाकांक्षा के रास्ते में बाधक बन रहे हैं। पहले साठ देशों ने होर्मुज के मुद्दे पर एक वर्चुअल बैठक की, जिसमें अमेरिका और चीन मौजूद नहीं थे, लेकिन भारत की मौजूदगी थी। उसमें यह प्रस्ताव जारी किया गया कि होर्मुज को खोलने का काम युद्ध के जरिये नहीं, बल्कि संवाद के जरिये ही हो सकता है। फिर अमेरिका और अरब देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हमलों के जरिये होर्मुज को खोलने संबंधी प्रस्ताव दाखिल किया, लेकिन फ्रांस, रूस और चीन ने इस पर वीटो लगा दिया। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले पर यूरोप के देश पहले ही सहमत नहीं थे। लेकिन होर्मुज के मुद्दे पर तो यूरोप के साथ रूस और चीन भी अमेरिका के साथ खड़े नहीं हैं।

जैसे-जैसे युद्ध खिंचता जा रहा है, इसे शुरू किये जाने की व्यर्थता सामने आ रही है। खाड़ी देशों का ही उदाहरण लें, तो वे बेकार ही इस युद्ध में फंस गये। अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी हमले को अंजाम देता है, तो खाड़ी देशों को भीषण नुकसान होने की आशंका है। ईरान दरअसल वर्षों से अमेरिकी और इस्राइली युद्ध तकनीकों का गहराई से अध्ययन करता रहा है। उसने उसी के अनुरूप अपनी रक्षा तैयारियां कर रखी हैं। यही कारण है कि अमेरिका और इस्राइल की सैन्य तथा तकनीकी श्रेष्ठताओं तथा ईरान को पूरी तरह नेस्तनाबूद करने के अमेरिका-इस्राइल के दावों के बावजूद आइआरजीसी (इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉप्स) लगातार न सिर्फ लड़ रहा है, बल्कि दुश्मन देशों को नुकसान भी पहुंचा रहा है।

बेशक अमेरिकी ताकत के आगे ईरान का कोई मुकाबला नहीं है। ईरान की युद्ध रणनीति जीत हासिल करने की है भी नहीं, वह तो एक राष्ट्र के रूप में अपना अस्तित्व बनाये रखने और शत्रु देशों के लिए जीत को बेहद मुश्किल और खर्चीला बना देने की नीति पर काम कर रहा है। ईरान के पिट्ठू हिजबुल्लाह पहले से ही मैदान में थे। फिर इस्राइल के खिलाफ हूथी विद्रोही भी कूद पड़े। इससे इस्राइली रक्षा क्षमता पर दबाव बढ़ा है और आम इस्राइली भी नेतन्याहू की रणनीति पर सवाल उठा रहा है। अमेरिका-ईरान के बीच के वार्ताकार और ओमान के विदेश मंत्री हमाद अल बुसैदी ने 'द इकोनॉमिस्ट' में लिखा कि 'अमेरिका अपनी विदेश नीति पर नियंत्रण खो चुका है'। उन्होंने इस्राइल पर भी गलत अनुमान लगाने और ट्रंप को एक घातक युद्ध में धकेल देने का आरोप लगाया है। वाशिंगटन देर-सबेर अगर इस युद्ध में विजयी होने की घोषणा करे, तो भी उसके परिणाम दुनिया को अगले अनेक वर्षों तक भुगतने पड़ेंगे।

इस युद्ध से जुड़े ट्रंप के दावे अपनी जगह हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि ईरान पर एकतरफा हमला करने तथा युद्ध में साथ न देने वाले यूरोपीय नेताओं पर अपमानजनक टिप्पणियां करने के कारण अमेरिका तेजी से अपनी साख, अपने दोस्त और समर्थक खोता जा रहा है, लेकिन इन सबसे बेपरवाह ट्रंप अब भी अपने फैसले को सही ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा है, 'ईरान के खिलाफ यह अभियान खत्म हो जाने के बाद हमारी दुनिया ज्यादा सुरक्षित होगी', जबकि वास्तविकता इसके विपरीत दिखती है। यह ठीक है कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश फिलहाल रणनीतिक संयम बरतने के बावजूद अमेरिका और इस्राइल के साथ खड़े रहेंगे, लेकिन ओमान, कतर और कुवैत का मानना है कि ईरान चूंकि पड़ोसी देश है, लिहाजा उसके साथ उसी तरह का रवैया अपनाना पड़ेगा।

इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि युद्ध खत्म होने के बाद भी अंदरूनी समीकरण खाड़ी देशों के बीच अलगाव और तनाव बनाये रखेंगे। ईरान के कमजोर होने से इस्राइल की ताकत निस्संदेह बढ़ेगी। ट्रंप यह चाहते भी है, लेकिन अरब और मुस्लिम देशों में खासकर निचले स्तरों पर इस्राइल के प्रति अविश्वास बढ़ेगा। इस कारण भी युद्ध के बाद की दुनिया अशांत ही रहने वाली है। चीन, रूस और भारत जैसे देशों के लिए, जिनके अपने गहरे भू-राजनीतिक, भू-रणनीतिक और भू-आर्थिक हितों के कारण ईरान और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), दोनों से बेहतर संबंध हैं, अमेरिका की मौजूदा ईरान-विरोधी आक्रामकता के कारण मुश्किलें बढ़ गयी हैं। यह युद्ध कब तक चलेगा, कहना मुश्किल है। पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता के दावे को खुद ईरान ने ही खारिज कर हमारे पड़ोसी देश को उसकी असलियत बता दी है। ऐसे में, भारत इस युद्ध को रोकने में एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में सामने आ सकता है। भारत के पश्चिम एशिया के साथ ऐतिहासिक संबंध हैं। लिहाजा नयी दिल्ली लगातार इस संकट के हल के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर दे रही है। दूसरी ओर, ईरान न सिर्फ भारत को अपना दोस्त बता रहा है, बल्कि हमारे तेल टैंकर होर्मुज होकर आ भी रहे हैं।

ईरान में फंसे हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकाल कर लाया गया है, तो यह ईरान की मदद के बगैर संभव नहीं था। पाकिस्तान की तुलना में, जो ईरान युद्ध खत्म करने के लिए मध्यस्थ बनने का बार-बार दावा कर रहा था, भारत का सम्मान वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक है। दुनियाभर के देश भारत की क्षमता से वाकिफ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप तक भारत से अपने बेहतर संबंध और प्रधानमंत्री मोदी से अपनी दोस्ती के बारे में बता चुके हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट पर जी-7 के अपने समकक्षों से बात की है। खुद प्रधानमंत्री वैश्विक नेताओं से संपर्क में है। ऐसे में, यह मानने का कारण है कि भारत इस संकट को हल करने में संवाद और कूटनीति की गुंजाइश तलाश रहा है।

ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 37 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 37 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं। ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है।

सूर्य गोचर मेष राशि में, मेष, मिथुन समेत अन्य राशियों को बुधादित्य योग के प्रभावशाली संयोग से मिलेगा लाभ

सूर्य गोचर मेष राशि में 14 अप्रैल, मंगलवार को होने जा रहा है। सूर्य अपनी उच्च राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, यहां पहले से शुक्र मौजूद हैं। ऐसे में सूर्य और शुक्र की युति से शुक्रादित्य योग का शुभ संयोग बनेगा। वहीं, 30 अप्रैल, गुरुवार को मेष राशि में बुध प्रवेश करेंगे जिससे बुधादित्य योग का प्रभावशाली और लाभदायक संयोग बनेगा। जिससे विशेष रूप से मेष, मिथुन सहित 5 राशियों को फायदा होगा। इन्हें करियर, सरकारी कार्यों, व्यापार आदि क्षेत्रों में लाभ मिलेगा। सूर्य को नेतृत्व, आत्मविश्वास, पिता, प्रतिष्ठा आदि का प्रतीक माना गया है। ऐसे में सूर्य के उच्च राशि में प्रवेश करने से इन राशियों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी और प्रभाव भी बढ़ेगा।

मेष राशि : मान-सम्मान और नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी

सूर्य गोचर मेष राशि के लग्न भाव में होने जा रहा है। जो आपके लिए अत्यंत शुभ और लाभदायक साबित हो सकता है। सूर्यदेव के अपनी उच्च राशि में गोचर करने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। साथ ही, नेतृत्व की क्षमता भी बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में वाणी का प्रभाव अधिक रहेगा। करियर के क्षेत्र में सफलता के नए मार्ग मिलेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। वहीं, परिवार में संतान की ओर से सुख प्राप्त होने की संभावना है। शिक्षा के क्षेत्र में भी आप अच्छे अवसर प्राप्त कर सकते हैं और नतीजे भी सकारात्मक देखने को मिलेंगे। लव लाइफ सुखद रहेगी, आप एक दूसरे की भावनाओं को अच्छी तरह समझेंगे।

मिथुन राशि : आय में वृद्धि के संकेत

सूर्य का गोचर मिथुन राशि के जातकों के लिए एकादश भाव में होने जा रहा है। जिसे लाभ, इच्छापूर्ति, आय आदि का स्थान माना गया है। ऐसे में आपको इन क्षेत्रों में लाभ मिल सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ मिलने के संकेत हैं। आपके संपर्कों में भी वृद्धि आएगी। साथ ही, आय बढ़ने के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और प्रभाव में भी वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे, जिसका आपको लाभ भी मिलेगा। सरकारी क्षेत्र से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है। आय में वृद्धि के संकेत हैं और कोई पुरानी इच्छा भी पूरी हो सकती है।

कर्क राशि : नौकरी में पदोन्नति के योग

आपकी राशि से दशम भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहा है। यह अवधि कर्क राशि के जातकों के लिए शुभ लाभकारी रहने वाली है। सूर्य का गोचर दशम भाव में होने से नौकरी करने वालों के लिए यह अवधि अच्छी रहने वाली है। पदोन्नति के शुभ योग बनने की संभावना है और अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध बेहतर होंगे और आपको सरकारी क्षेत्र से संबंधित कामों में भी अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। सूर्य के गोचर से व्यापार करने वालों को विशेष लाभ मिल सकता है। आप अपने व्यवसाय के विस्तार या नए निवेश को लेकर विचार बना सकते हैं। वाहन संबंधी सुख की प्राप्ति के योग बने हुए हैं और जो लोग सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए भी यह गोचर शुभ रहेगा।

सिंह राशि : सरकारी क्षेत्र में लाभ होगा

सूर्य का गोचर सिंह राशि से नवम भाव में होने जा रहा है। यह गोचर आपके लिए बेहद उत्तम रहेगा क्योंकि, सिंह सूर्य की अपनी राशि है और सूर्य अपनी उच्च राशि में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे में आपके भाग्य भाव में इस गोचर से सरकारी क्षेत्र के लिए यह अवधि शुभ रहेगी। आपको इससे संबंधित कार्यों में पॉजिटिव रिजल्ट देखने को मिलेंगे। किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का संयोग भी बन सकता है और सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। करियर के क्षेत्र में भी सूर्य गोचर प्रभावशाली रहेगा और आपको अच्छे मौके प्राप्त होंगे। वाहन संबंधी सुख मिलने के संकेत हैं। आर्थिक लाभ के मौके मिलेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि : करियर में मिलेंगे नए अवसर

आपकी राशि से चतुर्थ भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहा है। यह अवधि मकर राशि के लिए अनुकूल रहेगी। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कोई विशेष पुरस्कार के प्राप्त होने की संभावना बनी हुई है। पैतृक संपत्ति संबंधी मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्र से जुड़े कामों में भी अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। नौकरी करने वालों की आय में वृद्धि हो सकती है और पदोन्नति के संकेत भी मिल रहे हैं। सूर्य का गोचर करियर के मामले में शुभ रहेगा। आपको नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं और वाहन सुख के भी संकेत हैं। व्यापार करने वालों को लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

हिंदू धर्म में क्यों लगाया जाता है तिलक?

क्या है इसके पीछे की धार्मिक और वैज्ञानिक कारण जानें विस्तार से

हिंदू धर्म में प्राचीन काल से ही तिलक लगाने की परंपरा है। माथे के बीच में लगाए जाने वाले छोटे से इस निशान को बेहद शुभ और महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं है बल्कि ऊर्जा का केंद्र भी माना जाता है। यज्ञ, हवन और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान तिलक लगाने को आवश्यक माना जाता है। कहते हैं इसके बिना पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। पूजा में पहले भगवान को तिलक लगाया जाता है, फिर खुद को लगाया जाता है। वहीं, किसी शुभ कार्य के लिए घर से निकलते समय भी तिलक लगाने की परंपरा है।

तिलक लगाने का महत्व

तिलक को ज्योतिष शास्त्र में आध्यात्मिक शक्ति को स्त्रोत माना जाता है। तिलक को आज्ञा चक्र पर लगाया जाता है। भौंहों के मध्य वाले भाग को आज्ञा चक्र कहा जाता है। इसे ज्ञान और चेतना का केंद्र माना जाता है। आज्ञा चक्र हमारे सोचने और निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करता है।

इस स्थान पर तिलक लगाने से एकाग्रता बढ़ती है और स्मरण शक्ति तेज होती है। विज्ञान के लिहाज से यह भाग बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस स्थान पर दबाव पड़ने से तंत्रिका तंत्र को सक्रिय किया जा सकता है।

तिलक कितने प्रकार के होता है?

वैष्णव तिलक – वैष्णव तिलक को भगवान विष्णु और भगवान श्री कृष्ण के भक्त अधिक लगाते हैं। यह तिलक दो ऊर्ध्व धर रेखाओं से बनता है। आसान शब्दों में कहें तो अंग्रेजी वर्णमाला के ण आकार में लगाया जाता है। इसे गोपी चंदन से लगाना शुभ माना जाता है।

शैव तिलक (त्रिपुंड) – भगवान शिव के भक्त त्रिपुंड या शिव तिलक लगाते हैं। चंदन या भस्म से माथे पर तीन रखाएं बनाई जाती हैं। इसे हमेशा तरजनी, मध्यमा और अनामिका उंगली की सहायता से लगाया जाता है। मान्यता है कि त्रिपुंड में 27 देवताओं का वास होता है।

शाक्त तिलक – देवी दुर्गा या शक्ति की उपासना करने वाले भक्त शाक्त तिलक लगाते हैं। इसे अकसर लाल सिंदूर या कुमकुम से लगाया जाता है। इस तिलक को शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसका आकार गोल होता है।

तिलक लगाने के लाभ

माथे पर लाल चंदन का तिलक लगाने से कुंडली में सूर्य और मंगल ग्रह मजबूत होते हैं।

तिलक गर्मी को कम करने में मदद करता है, तनाव और सिरदर्द से राहत देता है।

मां दुर्गा और देवी लक्ष्मी की पूजा में लाल चंदन का प्रयोग करने से घर से दरिद्रता दूर होती है।

हल्दी का तिलक लगाने से कुंडली में गुरु मजबूत होता है जिससे सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

हल्दी का तिलक लगाने से आर्थिक परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

भस्म का तिलक नकारात्मक ऊर्जा से बचाव कर सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

शरीर के चक्रों और न्यूरॉन्स को एक्टिव करता है ओम

सनातन धर्म में 'ओम' का बेहद महत्व है। किसी भी मंत्र का जाप हो या ध्यान लगाना, इसका उच्चारण सिर्फ आध्यात्मिक महत्व नहीं रखता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। 'ओम' का उच्चारण शरीर के सातों चक्र को सक्रिय करता है, न्यूरॉन्स को जागृत करता है और पूरे तंत्रिका तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक अध्ययनों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय से अब यह साबित हो रहा है कि 'ओम' की ध्वनि कंपन (वाइब्रेशन) तनाव कम करने, मन शांत करने और शारीरिक स्वास्थ्य सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 'ओम' को प्राचीन भारतीय ज्ञान में 'जागृति की ध्वनि' या 'प्रथम ध्वनि' कहा जाता है। इसे ब्रह्मांड की मूल आवाज माना जाता है। 'अ+उ+म' के मिलने से बना यह शब्द तीन अक्षरों वाला नहीं, बल्कि ढाई अक्षरों वाला 'ओंकार' या 'प्रणव' है, जिसमें पूरे ब्रह्मांड का सार समाया हुआ है।

'ओम' का जाप ध्वनि कंपन पर आधारित है। जब 'ओम' का लंबा और गहरा उच्चारण करते हैं, तो यह शरीर में विशेष प्रकार के वाइब्रेशन पैदा करता है। ये कंपन नर्वस सिस्टम, चक्रों और मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को सक्रिय करते हैं। इससे मन शांत होता है, एकाग्रता बढ़ती है और शरीर में स्थिरता का अनुभव होता है।

शरीर में सात चक्र होते हैं, जिनमें मूलाधार चक्र रीढ़ के आधार पर, स्वाधिष्ठान चक्र नाभि के नीचे, मणिपुर चक्र नाभि के ऊपर, और अनाहत चक्र हृदय क्षेत्र में होते हैं। वहीं, विशुद्ध चक्र गले में, आज्ञा चक्र भौंहों के बीच, और सहस्रार चक्र सिर के ऊपर स्थित होते हैं। ओम के उच्चारण से ये चक्र एक्टिव होते हैं।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन में 'ओम' के जाप के प्रभाव को वैज्ञानिक तरीके से जांचा गया। इस शोध में योग करने वाले और कुछ योग न करने वाले लोगों को शामिल किया गया। दोनों समूहों से 5 मिनट तक 'ओम' का जाप करवाया गया और उनकी हार्ट रेट वेरिएबिलिटी को मापा गया। परिणामों से पता चला कि 'ओम' का जाप ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर डालता है। यह तंत्र दिल की धड़कन और सांस लेने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। अध्ययन में दोनों समूहों में तनाव कम होने और शरीर के संतुलन में सुधार देखा गया।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, सुबह के समय 'ओम' का जाप करने से दिल और फेफड़े स्वस्थ रहते हैं। धीरे-धीरे सांस लेते हुए 'ओम' का उच्चारण और फिर सांस छोड़ने की प्रक्रिया वेगस नर्व को मजबूत करती है। वेगस नर्व दिल, फेफड़ों और पाचन तंत्र को नियंत्रित करती है। जब यह नर्व सक्रिय होती है तो तनाव कम होता है, सांस लेने की क्षमता बढ़ती है और पूरा शरीर जागृत एवं संतुलित महसूस होता है। 'ओम' का कंपन इस नर्व को उत्तेजित करता है, जिससे शरीर में शांति और स्थिरता बढ़ती है।

'ओम' की ध्वनि शरीर के सात मुख्य चक्रों को सक्रिय करने के साथ ही विशेष रूप से मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को उत्तेजित करती है, जिससे एकाग्रता, याददाश्त और मानसिक स्पष्टता बढ़ती है। नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और नींद की समस्या भी कम होती है।

अब सवाल है कि ओम का जाप कैसे करें? तो इसके लिए सुबह खाली पेट या ध्यान के समय धीरे-धीरे गहरी सांस लें, 'ओम' का लंबा उच्चारण करें, और फिर धीरे से सांस छोड़ें। जितना लंबा और गहरा जाप करेंगे, उतना ही अधिक लाभ मिलेगा। 'ओम' सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का सरल और प्रभावी तरीका है। नियमित अभ्यास से चक्र सक्रिय होते हैं, न्यूरॉन्स जागृत होते हैं, और जीवन में शांति व संतुलन बढ़ता है।

घर के मुख्य द्वार पर जूते-चप्पलों का ढेर बन सकता है आर्थिक संकट का कारण

सुख-समृद्धि के लिए तुरंत सुधारें ये प्रमुख वास्तु दोष

घर की व्यवस्था और वास्तु का सीधा संबंध जीवन की सुख-शांति और आर्थिक स्थिति से जुड़ा हुआ माना जाता है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, यदि घर की बनावट और वस्तुओं का स्थान सही दिशा और नियमों के अनुसार हो, तो सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और जीवन में उन्नति के रास्ते खुलते हैं। लेकिन कई बार अनजाने में की गई छोटी-छोटी गलतियां धीरे-धीरे बड़ी परेशानियों का कारण बन जाती हैं। यही कारण है कि कुछ सामान्य दिखने वाले वास्तु दोष भी घर की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। समय रहते इन दोषों को पहचानकर सुधार लेना आवश्यक होता है।

मुख्य द्वार की स्वच्छता और व्यवस्था का महत्व

घर का मुख्य द्वार केवल प्रवेश का स्थान नहीं होता, बल्कि इसे ऊर्जा का मुख्य स्रोत माना जाता है। जब मुख्य द्वार पर जूते-चप्पलों का ढेर लगा होता है या वहां अव्यवस्था रहती है, तो यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करता है। ऐसी स्थिति में घर में आने वाली शुभ ऊर्जा रुक जाती है और इसका प्रभाव धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति पर भी पड़ने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि मुख्य द्वार को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखा जाए, ताकि घर में सुख-समृद्धि का मार्ग खुला रहे।

पानी का रिसाव और धन हानि का संबंध

घर में कहीं भी पानी का लगातार टपकना या दीवारों में नमी बने रहना केवल निर्माण से जुड़ी समस्या नहीं मानी जाती, बल्कि इसे आर्थिक दृष्टि से भी अशुभ संकेत माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिस प्रकार पानी धीरे-धीरे बहकर समाप्त होता है, उसी प्रकार धन भी अनावश्यक रूप से खर्च होने लगता है। इसलिए यदि घर में किसी भी प्रकार का रिसाव हो, तो उसे तुरंत ठीक करवाना चाहिए, ताकि आर्थिक संतुलन बना रहे।

टूटी वस्तुएं और नकारात्मकता का प्रभाव

घर में रखी टूटी-फूटी चीजें न केवल देखने में खराब लगती हैं, बल्कि यह मानसिक और ऊर्जा स्तर पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। खराब फर्नीचर, टूटे सजावटी सामान या अनुपयोगी वस्तुएं घर के वातावरण को बोझिल बना देती हैं। ऐसी वस्तुएं जीवन में रुकावट और तनाव को बढ़ावा देती हैं। इसलिए समय-समय पर घर की सफाई करते हुए ऐसी वस्तुओं को बाहर कर देना ही उचित माना जाता है।

आईने की सही दिशा का महत्व

आईना केवल सजावट का साधन नहीं होता, बल्कि इसे ऊर्जा को प्रतिबिंबित करने वाला तत्व भी माना जाता है। यदि इसे गलत दिशा में रखा जाए, विशेषकर शयन कक्ष में अनुचित स्थान पर, तो यह मानसिक अस्थिरता और तनाव का कारण बन सकता है। इसलिए आईने को ऐसी दिशा में रखना चाहिए, जहां वह सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने में सहायक हो और जीवन में संतुलन बनाए रखे।

रसोई और शौचालय की दिशा का प्रभाव

घर की दिशा व्यवस्था में उत्तर-पूर्व दिशा को अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। यदि इस दिशा में रसोई या शौचालय का निर्माण हो, तो यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। इसका असर घर की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है, जिससे अनावश्यक खर्च और परेशानियां बढ़ने लगती हैं। इसलिए घर बनवाते समय या उसमें बदलाव करते समय दिशा का विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है।

घर के वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने के उपाय

घर के वातावरण को शुद्ध और सकारात्मक बनाए रखने के लिए कुछ पारंपरिक उपाय भी किए जाते हैं। नमक का उपयोग नकारात्मकता को कम करने के लिए किया जाता है और इसे घर में रखने से वातावरण हल्का महसूस होता है। इसी प्रकार उत्तर दिशा में हरियाली बनाए रखना भी शुभ माना जाता है। समय-समय पर सुगंधित पदार्थों का प्रयोग करने से घर का वातावरण शांत और सकारात्मक बना रहता है, जिससे मानसिक संतुलन और समृद्धि दोनों में वृद्धि होती है।

हथेली में कब बनती है भाग्य रेखा देती है क्या संकेत, हस्तरेखा विज्ञान से जानें

हस्तरेखा विज्ञान में हथेली में मौजूद भाग्य रेखा को विशेष स्थान दिया गया है। कहते हैं कि यह हमारे भविष्य और जीवन के बारे में बहुत कुछ बताती है। व्यक्ति अपने वर्तमान और भूतकाल के बारे में जानता है, अगर हमें कुछ जानने की इच्छा होती है, तो वह भविष्य के बारे में। हस्तरेखा विज्ञान में भाग्य रेखा को धन रेखा, शनि रेखा, प्रारब्ध रेखा और उर्ध्व रेखा के नाम से भी जाना जाता है। यह कभी भी एक जैसी नहीं रहती है, इसमें कुछ न कुछ बदलाव होते रहते हैं।

हथेली में भाग्य रेखा कहां होती है?

यह हथेली के निचले भाग यानी कलाई के मध्य से शुरू होकर ऊपर की ओर मध्यमा उंगली तक जाती है। शनि पर्वत पर भाग्य रेखा समाप्त हो जाती है। हस्तरेखा विज्ञान, के मुताबिक भाग्य रेखा हमारे भविष्य के बारे में कई संकेत देती है। इससे भविष्य में उन्नति, बाधाएं, सुविधाएं, पतन, लाभ, हानि आदि के बारे में जाना जा सकता है। यह हमारी हथेली में उन्नति या अवनति के बारे में संकेत देती है।

हथेली में भाग्य रेखा कब बनती है?

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, भाग्य रेखा हमेशा एक सी नहीं रहती है। मनुष्य अपने जीवन में जिस तरह आगे बढ़ता है उसके हाथ की भाग्य रेखा उसी प्रकार बढ़ती या घटती रहती है। जो हमारे भविष्य को दर्शाती है। कहा जाता है कि अपनी भाग्य रेखा के संकेत को जानकर उसी प्रकार कर्म करने चाहिए। अगर यह अवनति का संकेत दे तो, व्यक्ति को सजग रहना चाहिए और उसी प्रकार जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। इसका यही अर्थ है कि हमारे कर्मों के अनुसार ही हथेली में भाग्य रेखा बनती है और घटती-बढ़ती रहती है।

हथेली में सबसे अच्छी भाग्य रेखा कब बनती है?

हस्तरेखा और ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, हमारे कर्मों के अनुसार ही भाग्य रेखा का निर्माण होता है। जो मनुष्य जीवन में अपनी उन्नति और विकास के लिए पुरुषार्थ करता है उसकी हथेली में भाग्य रेखा प्रखर होती जाती है। इसका अर्थ है कि ऐसे लोगों की हथेली में भाग्य रेखा सबसे गहरी और अच्छी देखने को मिलती है। ऐसी रेखा बीच से कटी-फटी नहीं होती है। यह गहरी और सीधी शनि पर्वत तक जाने वाली होती है।

भाग्य रेखा से जुड़े संकेत

अगर हथेली में भाग्य रेखा मणिबंध रेखा या उसके पास से शुरू होकर शनि ग्रह की ओर जाती हो। साथ ही, यह साफ, गहरी और बिना कटी-फटी हो तो ऐसे मनुष्यों को भाग्यशाली माना जाता है। समस्याएं हर व्यक्ति के जीवन में आती हैं लेकिन ऐसी रेखा सभी बाधाओं को दूर करके सफलता तक ले जा सकती है। यह बात मनुष्य के कर्म पर भी निर्भर करती है।

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, भाग्य रेखा का अत्यधिक लंबा होना भी शुभ नहीं होता है। अगर यह लंबी होकर शनि पर्वत से आगे निकल जाए और उंगली को स्पर्श करने लगे तो इसे अच्छा संकेत नहीं माना जाता है।

मान्यता है कि अगर भाग्य रेखा सीधी हो और चंद्र क्षेत्र से उठकर उसमें कोई रेखा मिल जाए तो ऐसे लोगों को अपने जीवनसाथी की ओर से सुख, सौभाग्य और अच्छा भाग्य प्राप्त होता है। ऐसे लोग खुद भी कड़ी मेहनत, बुद्धि और प्रयास से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

भाग्य रेखा अगर शनि की जगह गुरु ग्रह के स्थान पर चली जाए, तो ऐसे मनुष्यों को ज्ञानी माना जाता है। इन लोगों को समाज में मान-सम्मान मिलता है। साथ ही, ये अपनी बुद्धिमानी और मेहनत से आगे बढ़ते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पीएम मोदी का संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण की सराहना की और सभी नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने लोगों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम उन सभी लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं, जो दूसरों की सेवा में अथक रूप से समर्पित हैं और एक स्वस्थ पृथ्वी के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हम एक स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। आइए, हम सभी मिलकर स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए निरंतर कार्य करते रहें। उन्होंने आगे कहा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मैं सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मेरा आग्रह है कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास जरूर करें।

पाक की धमकी वाले बयान पर अभिषेक को राजनाथ का जवाब

बैरकपुर। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के भड़काऊ बयान पर तीखा पलटवार किया है। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि वे 55 साल पहले के अंजाम को न भूलें जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। उन्होंने साफ लहजे में चेतावनी दी कि अगर इस बार पाकिस्तान ने बंगाल की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो खुदा ही जाने उसके कितने टुकड़े होंगे। बैरकपुर में चुनावी रैली के दौरान राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान की धमकी और उस पर तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। अभिषेक बनर्जी ने सवाल उठाया था कि पाकिस्तानी धमकी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं। इस पर पलटवार करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि देश का रक्षा मंत्री होने के नाते वह खुद इस मुद्दे पर अपनी बात रख रहे हैं और यह जरूरी नहीं कि हर बात पर प्रधानमंत्री ही बोलें।

आज कैबिनेट की आखिरी बैठक करेंगे सीएम नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के कार्यकाल को लेकर बनी अनिश्चितता अब टलती नजर आ रही है। 16 मार्च को राज्यसभा सदस्य चुने गए जेडीयू अध्यक्ष नीतीश कुमार 8 अप्रैल को पटना में अपनी आखिरी कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे और 9 अप्रैल को नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दिल्ली में नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे और बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए अपने संभावित उत्तराधिकारी के बारे में विचार-विमर्श करेंगे। नीतीश कुमार, जो अपने 40 साल के राजनीतिक करियर में पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने हैं, 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। इससे उन्हें लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद- चारों सदनों के सदस्य के रूप में सेवा करने का दुर्लभ गौरव भी प्राप्त होगा। सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार 11 अप्रैल को पटना लौट सकते हैं और 12 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

ममता का पीएम मोदी से इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही : राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने कहा कि बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। वह शेरनी की तरह हैं। भाजपा बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिलेगा। ममता बनर्जी ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग की है, वह जायज है और बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा। राउत ने प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने प्रधानमंत्री के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पहुंची असम पुलिस

नई दिल्ली। असम पुलिस की एक टीम नई दिल्ली में मंगलवार सुबह दिल्ली पुलिस के साथ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के निजामुद्दीन पूर्व स्थित आवास पर पहुंची। यह घटना उनके उस आरोप के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पास तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा असम पुलिस के पहुंचने पर घर पर नहीं थे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता हैदराबाद में हैं। यह घटनाक्रम खेड़ा द्वारा रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा के पास तीन पासपोर्ट होने और परिवार के अमेरिका में 52,000 करोड़ रुपये के व्यापारिक हित होने के आरोप लगाने के ठीक दो दिन बाद सामने आया है। यह तलाशी सरमा की पत्नी द्वारा सोमवार को इस मामले में दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद हुई।

असम की रैली में गरजे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, बोले-

राहुल बाबा सुन लें, असम को घुसपैठियों का गढ़ नहीं बनने देंगे

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को असम के पथारकंडी में एक रैली के दौरान कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य को घुसपैठियों से प्रभावित क्षेत्र नहीं बनने देगी। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा सरकार का समर्थन करने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सीधे संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मैं आज यहीं से यह घोषणा करता हूं, और राहुल बाबा, इसे ध्यान से सुनिए, हम असम को घुसपैठियों का गढ़ नहीं बनने देंगे। उन्होंने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति का आरोप लगाया।

शाह ने कहा कि भाजपा ने घुसपैठियों की पहचान कर ली है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को चुनिए। हमने घुसपैठियों की पहचान कर ली है। अब समय आ गया है कि उन्हें एक-एक करके बाहर निकाला जाए। उन्होंने आगे कहा कि अगर असम, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें सत्ता में आती हैं तो घुसपैठ बंद हो जाएगी। पार्टी के सांस्कृतिक एजेंडे पर विस्तार से चर्चा करते हुए शाह ने कहा कि केवल भाजपा में ही करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का संकल्प है, साथ ही उन्होंने कांग्रेस की इस बात के लिए आलोचना की कि वह राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए घुसपैठियों पर निर्भर है।

राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने क्षेत्रीय भावनाओं को समझने की उनकी क्षमता पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जिनकी जड़ें इटली में हैं, वे भला 'श्रीभूमि' का महत्व कैसे समझ सकते हैं? उन्होंने केंद्र सरकार की पहलों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असमिया और बंगाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का श्रेय दिया। शाह ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का बचाव करते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए इसका विरोध करने का आरोप लगाया।

शाह ने आरोप लगाया कि जब भी हम सीएए की बात करते हैं, कांग्रेस इसका विरोध करती है। एक साजिश के तहत, उन्होंने इस क्षेत्र को घुसपैठियों का गढ़ बनाने की कोशिश की। उन्होंने 1950 के आप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम को निरस्त कर दिया और बाद में घुसपैठियों को पनाह देने के लिए 1983 में आईएमडीटी अधिनियम लागू किया। उन्होंने आगे कहा कि असम और आसपास के राज्यों में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें घुसपैठ रोकने के लिए मिलकर काम करेंगी। जैसे ही असम, बंगाल और त्रिपुरा में भाजपा-एनडीए सरकारें बनेंगी, घुसपैठ बंद हो जाएगी। हम व्यवस्थित रूप से हर एक घुसपैठिए की पहचान करके उसे निष्कासित करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शाह ने कहा कि गुजरात को अनपढ़ों का राज्य बताना अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि यही भूमि दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार पटेल और विक्रम साराभाई जैसी महान हस्तियों की जन्मभूमि रही है। असम में 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

हिमंता की अहंकारी सरकार को उखाड़ फेकेंगे : मल्लिकार्जुन खरगे

असम में कांग्रेस 70 से अधिक सीटें जीतेगी

गुवाहाटी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को दावा किया कि असम में कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन विधानसभा चुनाव में कम से कम 72 सीटें जीतेगा। गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, खरगे ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर तीखा हमला करते हुए उन्हें भ्रष्ट और अहंकारी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा कंपनियों, चाय बागानों और रिसॉर्ट्स का एक गिरोह चलाते हैं और अपने करीबी लोगों को जमीनें भी देते हैं। कांग्रेस नेता ने 2026 के असम चुनावों को जनता और हिमंता बिस्वा सरमा के बीच का मुकाबला बताया।

खरगे ने कहा कि हम बदलाव चाहते हैं और यह जनता बनाम हिमंता बिस्वा शर्मा का संघर्ष है। हम इस लड़ाई में सिर्फ जनता का समर्थन कर रहे हैं। हमारी सर्वे टीम ने जमीनी स्तर से आंकड़े जुटाए हैं। हम 72-73 सीटें जीतेंगे। मैं जनता से अपील करता हूं कि वे 9 अप्रैल को अपना वोट डालें और सरकार बदलने के लिए कांग्रेस का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि अपने वोट से इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकें। उनके जैसा भ्रष्ट और अहंकारी मुख्यमंत्री कोई नहीं है। असम के लोग अपनी संस्कृति और परंपरा से प्रेम करते हैं; उन्हें असभ्य, अभद्र और अहंकारी मुख्यमंत्री नहीं चाहिए। मुख्यमंत्री जनता के लिए काम करने के बजाय केवल अपने विकास के लिए काम कर रहे हैं। कई कंपनियों, चाय बागानों, रिसॉर्ट और अंतरराष्ट्रीय स्कूलों का एक गिरोह है। कोयला और हजारों बीगा जमीन उनके दोस्तों को बांटी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री सरमा को भाजपा का गोद लिया बेटा बताते हुए उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच क्यों नहीं शुरू की गई। उन्होंने कहा कि वे गौरव गोगोई को मुख्यमंत्री का बेटा कहकर उनका मजाक उड़ाते हैं। गौरव और उनके पिता की 15 साल की संपत्ति देखिए और उसकी तुलना मुख्यमंत्री की पांच साल की संपत्ति से कीजिए। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, मोहन भगवत, इस भ्रष्टाचार के बारे में क्या कहना चाहते हैं? वे कहते हैं कि वे भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे और %न खाऊंगा न खाने दूंगा%। लेकिन आपका गोद लिया बेटा यह सब कर रहा है। उसके खिलाफ कोई जांच क्यों नहीं हो रही है?

सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा द्वारा फर्जी पासपोर्ट के आरोपों के संबंध में दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद असम पुलिस पवन खेड़ा के आवास पर पहुंची। इस पर खरगे ने कहा कि पार्टी इसका सामना करेगी। उन्होंने केंद्र से रिनिकी भुयान सरमा के पासपोर्ट के बारे में स्पष्टीकरण भी मांगा। उन्होंने कहा कि उनकी दोहरी इंजन वाली सरकार है और विदेश मंत्री भी उनकी ही पार्टी से हैं। हम सरकार से स्पष्टीकरण मांगेंगे। अगर वे गिरफ्तार करना चाहते हैं, तो गिरफ्तार करें। हम इसका सामना करेंगे। ईडी और सीबीआई सबको परेशान कर रही हैं और बाद में उन्हें वाशिंग मशीन में धोकर पार्टी में शामिल कर रही हैं।

मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन का बड़ा दावा

केरल में एलडीएफ की वापसी तय, कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने मंगलवार को विश्वास जताया कि सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों में और भी मजबूत जनादेश के साथ सत्ता में वापसी करेगा। उन्होंने कहा कि जनता की भावना अभी भी सत्तारूढ़ मोर्चे के पक्ष में है। कन्नूर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विजयन ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान लोगों से हुई बातचीत से पता चलता है कि एक दशक से सत्ता में रहने के बावजूद एलडीएफ को लगातार समर्थन मिल रहा है।

विजयन ने कहा कि यहां के लोगों से हुई बातचीत से हमें यह समझ आया कि केरल के लोगों का झुकाव एलडीएफ की ओर है। उन्होंने आगे कहा कि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को स्पष्ट रूप से नकार दिया गया है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि एलडीएफ 2021 के चुनावों की तुलना में अधिक सीटें हासिल करेगा और दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए राज्य में एक भी सीट नहीं जीतेगा।

केरल में सीपीआई (एम) और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप लगाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना का जवाब देते हुए, विजयन ने इस आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया और गांधी से जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलने का आग्रह किया। उन्होंने अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं के प्रति कांग्रेस के रुख का जिक्र करते हुए उसकी राजनीतिक रणनीति की भी आलोचना की। विजयन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने प्रतिद्वंद्वियों का मुकाबला करने के प्रयास में कई बार ऐसे काम किए हैं जिनसे अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को फायदा हुआ है। मुख्यमंत्री ने केरल में कांग्रेस पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में शामिल न होने का भी आरोप लगाया और कहा कि राज्य से जुड़े मुद्दों को पक्षपातपूर्ण मामलों के बजाय सामूहिक चिंताओं के रूप में देखा जाना चाहिए। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के संवेदनशील मुद्दे पर, विजयन ने सतर्क और परामर्शपूर्ण दृष्टिकोण को दोहराते हुए परंपरा और रीति-रिवाजों से जुड़े मामलों से निपटने के दौरान विद्वानों और समाज सुधारकों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

खेल
प्रमुख समाचार

अर्जेंटीना का दौरा करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नईदिल्ली। भारत की सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना का दौरा करेगी। इस सीरीज के मैच 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सीएएनएआरडी में खेले जाएंगे। भारतीय टीम अपने मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को अर्जेंटीना के नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफार्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (जिसे सीएएनएआरडी के नाम से भी जाना जाता है) में खेलेगी।

भारत और अर्जेंटीना के बीच हाल में कुछ कड़े मुकाबले खेले गए हैं। इनमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 का मैच भी शामिल है जिसका फैसला 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में किया गया। भारतीय टीम का यह दौरा बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप और इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इससे भारतीय टीम को विभिन्न संयोजन आजमाने का मौका भी मिलेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, ''हम 24 खिलाड़ियों की टीम के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय है। इस दौरे का उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और इस सीरीज से हमें प्रति खिलाड़ी को परखने का मौका मिलेगा। हम देखना चाहते हैं कि जरूरत पड़ने पर कौन बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।''

उन्होंने कहा, ''इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको सबसे पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। व्यक्तिगत प्रतिभा महत्वपूर्ण है लेकिन अगर आप इस टीम के साथ तालमेल नहीं बिठा सकते और एक-दूसरे की मदद नहीं कर सकते हैं तो आपके लिए इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।''

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 510 उछला निफ्टी 23,123 के पार

नईदिल्ली। दिन के आखिरी हिस्से में हुई खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया, जिससे निफ्टी 50 और सेंसेक्स ने लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ कारोबार खत्म किया। निफ्टी 50 0.68 प्रतिशत यानी 155.40 अंक बढ़कर 23,123.65 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 0.69 प्रतिशत यानी 507.73 अंक चढ़कर 74,616.58 पर पहुंच गया। निफ्टी 50 में विप्रो, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज्यादा बढ़ने वालों में रहे। घरेलू स्तर पर निवेशकों की नजर अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के नतीजों पर है। वहीं निफ्टी मिडकैप 0.20 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सेक्टर के हिसाब से निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी धातु ने बेहतर प्रदर्शन किया।

ट्रंप की चेतावनी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई मंगलवार की समयसीमा (डेडलाइन) के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई है। इस तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान के लिए फिर से खोलने की समयसीमा के सीधे असर से मंगलवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक का भारी उछाल दर्ज किया गया, जिससे कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। एमसीएक्स पर भी क्रूड 300 रुपये बढ़कर 10,888 रुपये प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। कच्चे तेल के बाजार में दर्ज किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स 3 प्रतिशत या 4.15 डॉलर से अधिक बढ़कर 116.56 डॉलर पर पहुंच गया है।

सरकार एमएसएमई के लिए ला सकती है क्रेडिट गारंटी योजना

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी योजना पर सरकार विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों, खासकर एमएसएमई के लिए, 2.5 लाख करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी योजना पर विचार कर रही है। एमएसएमई सपोर्ट स्कीम 2026 के तहत, अमेरिका-ईरान संघर्ष के चलते बारोअर्स द्वारा डिफॉल्ट होने की स्थिति में 100 करोड़ रुपये तक के लोन पर करीब 90 फीसदी तक की क्रेडिट गारंटी दी जाएगी। बैंक लोन पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी द्वारा दी जाएगी, जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को लगभग 17,000 करोड़ रुपये से 18,000 करोड़ रुपये तक का प्रावधान करना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोविड-19 महामारी के दौरान यह योजना काफी सफल रही थी।

एयर इंडिया ग्रुप ने हवाई टिकट के बढ़ाए दाम

नईदिल्ली। दुनिया भर में विमान ईंधन की कीमतों में आए उछाल के बाद एयर इंडिया ग्रुप ने अपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था बुधवार यानी 8 अप्रैल से ज्यादातर रूटों पर लागू हो जाएगी। वहीं, जो लोग यूरोप, उत्तरी अमेरिका या ऑस्ट्रेलिया जाने की योजना बना रहे हैं, उन पर यह बढ़ा हुआ खर्च 10 अप्रैल 2026 से लागू होगा। खास बात यह है कि घरेलू उड़ानों के लिए एयर इंडिया ने अब एक नया तरीका अपनाया है। पहले की तरह अब सभी के लिए एक जैसा चार्ज नहीं होगा, बल्कि आप कितनी दूर की यात्रा कर रहे हैं, उसी हिसाब से फ्यूल सरचार्ज देना होगा। एयर इंडिया ने अब एक नया सिस्टम लागू किया है, जिसमें दूरी के आधार पर पैसे लिए जाएंगे।

रुपये की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक के एक्शन से बैंकों पर दबाव

सनत जैन

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले में लगातार गिरता चला जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 95.30 के स्तर तक पहुंच गई है। इस वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपए में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले 14 वर्षों में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस स्थिति को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए बैंकों की नेट ओपन रुपया (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय कर दी है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों को 10 अप्रैल से प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन पोजीशन इस तय सीमा के भीतर रखनी होगी। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 प्रतिशत तक डॉलर मुद्रा रखने की छूट थी। जिससे बैंकों और डीलरों के लिए डॉलर रखने की कोई सीमा नहीं थी। रिजर्व बैंक द्वारा डॉलर की सीमा निर्धारित कर दिए जाने के कारण अब रुपए के मुकाबले डॉलर की मांग कम होगी। रिजर्व बैंक ने डॉलर और रुपए की सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। जिस तरह से डॉलर की कीमत बढ़ रही थी उसके साथ ही सट्टेबाजी में डॉलर मुद्रा का उपयोग हो रहा था जिसके कारण रुपए में अकारण गिरावट देखने को मिल रही थी। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक का मानना है की सीमा निर्धारित कर दिए जाने से सट्टेबाजी में रोक लगेगी। कुछ बड़े निवेशक डॉलर का उपयोग सट्टेबाजी के लिए कर रहे थे। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, रिजर्व बैंक के इस फैसले से बैंकों और ट्रेडर्स को डॉलर मे निवेश को कम करना पड़ेगा, जिससे डॉलर की मांग कम होगी, इससे रुपये को मजबूती मिलेगी।

रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंकों को 30 से 45 अरब डॉलर की पोजीशन को कम या समाप्त करना पड़ सकता है, भविष्य में डॉलर की कमी से डीलरों, बैंकों और आयातकों को नुकसान हो सकता है। हाल ही में रुपए में मजबूती जरूर आ जाएगी, लेकिन भविष्य में इसका बड़ा दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। डॉलर मुद्रा को लेकर छोटे लेन-देन में इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। वहीं डॉलर मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जिससे बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है। रिजर्व बैंक ने जो सीमा निर्धारित की है, पूर्व में किए गए अनुबंध और डॉलर के लेन-देन पर इसका असर पड़ना तय है। बैंकों को इस कारण भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सभी बैंक एक साथ डॉलर मुद्रा को इस सीमा पर लाने की कार्रवाई करते हैं, तो बाजार में डॉलर की आपूर्ति अचानक बढ़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में सुधार आएगा। आगे चलकर यह स्थिति भविष्य के लिए जटिल हो सकती है। बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा को बढ़ाने की मांग की है। बैंकों ने पुराने लेनदेन और डॉलर मुद्रा के निवेश पर इस सीमा से बाहर रखने की मांग की है। बेंकों का सुझाव है, नए सौदों पर यह नियम लागू किए जाएं, ताकि धीरे-धीरे डॉलर मुद्रा के लेन-देन को लेकर संतुलन बनाया जा सके।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, आरबीआई का यह कदम जरूरी था। सट्टेबाजी के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा था। रिजर्व बैंक ने एक ही बार में हथोड़ा पटक दिया है। इस सीमा को चरणबद्ध तरीके से लागू करना ज्यादा प्रभावी साबित हो सकता है। बैंकों की मांग नाजायज नहीं है। शेयर बाजार और बैंकों के निवेश में वह आकर्षण नहीं था जो डॉलर मुद्रा पर था जिसके कारण भारत में डॉलर मुद्रा को लेकर सट्टेबाजी बड़ी मात्रा में हो रही थी। रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन यह मदद कितने समय तक रहेगी इसका कोई आकलन रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय द्वारा नहीं किया गया। इसे जल्दबाजी में उठाया गया एक कदम माना जा सकता है।

राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धः कश्यप

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान नारायणपुर को 17 करोड़ 59 लाख 57 हजार रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न

निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिले के विकास को नई गति प्रदान की। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण से जिले के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा और अबूझमाड़ सहित नारायणपुर के बच्चे भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर इंजीनियर, डॉक्टर एवं शासकीय सेवाओं में स्थान प्राप्त कर सकेंगे। नारायणपुर कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया कि इस अवसर पर नेशनल हाईवे 130डी के मजबूतीकरण कार्य, नालंदा परिसर (सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन) सहित डीएमएफ और नगरीय निकाय क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत कुल 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि के 03 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपए का चेक, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत 25 हितग्राहियों को अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने गढ़बेंगाल चौक से बखरूपारा मार्ग के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग 130 डी के मजबूतीकरण कार्य को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह टीमवर्क के साथ कार्य करते रहने का आह्वान किया। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने का संकल्प साकार हुआ है, जिससे अब

नारायणपुर और अबूझमाड़ के विकास का मार्ग और अधिक सुगम हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों, महिलाओं, बच्चों और युवाओं सहित सभी वर्गों के विकास एवं समृद्धि के लिए सतत प्रयासरत है। कार्यक्रम में राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, उपाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, संध्या पवार, गौतम एस. गोलछा, बृजमोहन देवांगन सहित पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधिगण, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत , वन मंडल अधिकारी, अपर कलेक्टर, एसडीएम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नवनिर्मित विद्युत उपकेंद्र का मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया लोकार्पण

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम विभाग के मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज कोरबा शहर के सुभाष चौक स्थित पुष्पलता उद्यान के समीप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्मित 1M5 एमवीए क्षमता वाले 33/11 केवी उपकेंद्र (सीडीईएफ कॉलोनी) का फीता काटकर लोकार्पण किया। लगभग 1.90 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस महत्वपूर्ण विद्युत अधोसंरचना परियोजना को उन्होंने क्षेत्र की जनता को समर्पित किया।

कोरबा शहर में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मंत्री श्री देवांगन द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयासों को यह परियोजना और भी मजबूती प्रदान करती है। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना योजना के अंतर्गत विभिन्न विद्युत परियोजनाओं को निरंतर स्वीकृति मिल रही है, जिसके कारण प्रदेश में बिजली व्यवस्था और मजबूत हो रही है।

नवनिर्मित उपकेंद्र से कोसाबाड़ी, निहारिका, घंटाघर, बुधवारी, काशी नगर, सीएसईबी कॉलोनी, आरपी नगर, शिवाजी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के पांच हजार से अधिक उपभोक्ताओं को सीधे लाभ मिलेगा। अब तक निहारिका क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अलग-अलग फीडरों से बिजली आपूर्ति की जाती थी, जिससे किसी एक फीडर में खराबी होने पर पूरे क्षेत्र की आपूर्ति बाधित हो जाती थी। उपकेंद्र के प्रारंभ होने के बाद वैकल्पिक लाइन से तत्काल और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में निरंतर विकास के कार्य किए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रत्येक गारंटी को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस नए विद्युत उपकेंद्र के शुरू होने से गर्मी के मौसम में बढ़ते बिजली दबाव से क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। यह उपकेंद्र लंबे समय से क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता थी, जो अब पूरी हो चुकी है।बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पाते, जिसके कारण सरचार्ज बढ़ता जाता है।

सरकार को है किसानों के हितों की चिंताः मंत्री नेताम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रासायनिक उर्वरकों की कालाबाजारी करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई तय है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि खाद की जमाखोरी या अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गड़बड़ी पाए जाने पर सीधे जेल भी भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट के कारण रासायनिक उर्वरकों की कमी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार पूरी तरह सजग है। खाद की कमी नहीं होगी। इसके साथ ही किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आपूर्ति और बेहतर होगी, इसलिए किसानों को किसी भी प्रकार से घबराहट या पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। कृषि मंत्री श्री नेताम ने आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित समेति कक्ष में रायपुर और दुर्ग संभाग के अधिकारियों की आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान इस आशय के वक्तव्य दिए।मंत्री श्री नेताम ने बताया कि राज्य सरकार खरीफ 2026 की तैयारियों को लेकर पूरी तरह सक्रिय है और उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

जिलों के संबंधित विभागीय अमले को नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके। श्री नेताम ने बैठक में आगामी 5 मई से 20 मई तक पूरे प्रदेश में विकसित भारत संकल्प अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की।

आरटीई के तहत प्रथम चरण में 13 से 17 अप्रैल के बीच लॉटरी के माध्यम से सीटों का आबंटन

रायपुर। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए आरटीई पोर्टल के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित की जा रही है। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार चल रही है। आरटीई के तहत प्रथम चरण में 13 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 के बीच लॉटरी के माध्यम से सीटों का आबंटन किया जाएगा।

लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर द्वारा जारी जानकारी के अनुसार अब तक कुल 38 हजार 439 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 34 हजार 4 आवेदनों की जांच पूरी हो चुकी है तथा मात्र 4 हजार 435 आवेदन जांच हेतु शेष हैं। शेष आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए जिला शिक्षा अधिकारियों को 6 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से जांच पूर्ण करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि प्रथम चरण के अंतर्गत नोडल वेरिफिकेशन का कार्य 31 मार्च 2026 तक निर्धारित था तथा लॉटरी एवं सीट आबंटन की प्रक्रिया 13 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 के बीच संपन्न की जाएगी। इसके पश्चात 1 मई से 30 मई 2026 तक विद्यार्थियों का प्रवेश (दाखिला) सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही वर्ष 2025-26 की शुल्क प्रतिपूर्ति का सत्यापन कार्य 25 मई से 25 जून 2026 तक किया जाएगा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत दूसरे चरण में नए स्कूलों का पंजीयन 8 जून से 20 जून 2026 तक किया जाएगा।

पूर्वजों की त्याग, तपस्या और बलिदान के कारण आज सत्ता में हैंः बृजमोहन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन में रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने अपने ओजस्वी और प्रेरणादायी संबोधन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास का संचार कर दिया। अपने प्रभावशाली उद्बोधन में श्री अग्रवाल ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी जिस शिखर पर पहुंची है, वह किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पीढ़ियों के त्याग, तपस्या और अथक परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज हम जो सांसद, विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री हैं, वह अपने दम पर नहीं हैं, बल्कि कार्यकर्ताओं के कंधों पर बैठकर इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा कि आज देशभर में भाजपा की सरकार है और छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में सरकार जनसेवा के नए आयाम स्थापित कर रही है। रायपुर नगर निगम में 70 में से 60 पार्षदों का भाजपा के है आज पार्टी जहां पे भी वो कार्यकर्ताओं की मेहनत से है। कार्यकर्ता ही पार्टी की आत्मा और सबसे बड़ी ताकत है। यदि कार्यकर्ता मजबूत है तो संगठन अजेय है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी के रूप में कहा कि अगर कार्यकर्ता नहीं रहेंगे तो कोई भी चुनाव नहीं जीता जा सकता। इसलिए मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक सभी को कार्यकर्ताओं की चिंता करनी चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान करना ही उनका कर्तव्य है। अपने जोशीले अंदाज में उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें घबराने या डरने की कोई आवश्यकता नहीं है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

एससी एवं ओबीसी विभाग की गहन समीक्षा बैठक आज

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में कल 08 अप्रैल को गहन समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक सुबह 10:30 बजे से मंत्रालय, महानदी भवन के पंचम तल स्थित सभागार में होगी। राज्य स्तरीय इस

बैठक में आदिम जाति विकास विभाग के सहायक आयुक्त सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार पूर्वक चर्चा की जाएगी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी परियोजना प्रशासकों एवं सहायक आयुक्तों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति वितरण, जवाहर उत्कर्ष योजना, देवगुड़ी एवं अखरा विकास योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना तथा प्रयास आवासीय विद्यालयों के संचालन की समीक्षा भी बैठक के प्रमुख एजेंडा में शामिल है। वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन, लंबित न्यायालयीन प्रकरणों एवं अवमानना मामलों की स्थिति पर भी चर्चा की जाएगी।

9 से 23 अप्रैल तक 8वां पोषण पखवाड़ा

रायपुर। प्रदेश में कुपोषण के खिलाफ चल रहे जन-आंदोलन को और सशक्त बनाने के लिए 9 से 23 अप्रैल तक 8वां पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत आयोजित इस अभियान का उद्देश्य जन-भागीदारी के माध्यम से कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प को मजबूती देना है। इस वर्ष पखवाड़ा की थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना रखी गई है, जो बच्चों के प्रारंभिक वर्षों में पोषण, स्वास्थ्य और समुचित देखभाल के महत्व को केंद्र में रखती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जीवन के पहले छह वर्ष बच्चे के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की नींव होते हैं, इसलिए इस अवधि में उचित पोषण अत्यंत आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 से संचालित पोषण अभियान को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसके तहत जन-जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में इस वर्ष का पोषण पखवाड़ा भी सामुदायिक भागीदारी को केंद्र में रखकर आयोजित किया जाएगा।

9 अप्रैल को पूरे विश्व में नवकार महामंत्र का जाप

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में विश्व नवकार दिवस 9 अप्रैल को प्रात: 8 . 30 बजे से नवकार महामंत्र का जाप किया जावेगा ।श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि विश्व में युद्ध की आग भड़की हुई है ऐसे समय में नवकार महामंत्र के नव पदों के उच्चारण की ध्वनि तरंगों से विश्व शांति , अहिंसा , जीव दया के वातावरण का निर्माण होगा । भयावह युद्ध , हिंसा के वातावरण में विश्व नवकार दिवस पर नवकार महामंत्र का जाप अहिंसा व शांति का संदेश देगा । पूरे भैरव सोसायटी , दावड़ा , वालफोर्ड , जैनम , आम्रपाली व आसपास के सभी जैन भाई बहनों से आग्रह है कि मंदिर जी में आकर अथवा अपने घरों में 8 . 30 बजे से नवकार महामंत्र का उच्चारण पूर्वक जाप करें । ट्रस्टी नीलेश गोलछा व टीकम जैन ने बताया कि प्रवर्तिनी श्री निपुणा श्री जी की सुशिष्या श्री स्नेहयशा श्री जी की निश्रा में श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिन कुशल सूरि जैन दादाबाड़ी का नवम ध्वजा महोत्सव 12 अप्रैल को होगा । संस्कारों का शंखनाद , स्वंय को जानो - पहचानो - औऱ पहुँचो विषय पर 9 से 11 अप्रैल महिलाओं व बच्चों का तीन दिवसीय जैन धार्मिक शिक्षण शिविर आयोजित किया गया है ।

रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का व्यापक आयोजन

रायपुर। शासन के निर्देशानुसार आज दिनांक 07 अप्रैल 2026 को प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में चावल महोत्सव के साथ रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का व्यापक एवं प्रभावी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पूर्व ही विभिन्न स्तरों पर लंबित प्रकरणों एवं समस्याओं का निराकरण कर योजनाओं के सुचारु क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित मोर गांव - मोर पानी - मोर तरिया अभियान के अंतर्गत नवा तरिया ङ्क आय के जरिया पहल ने जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया। युवाओं एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं की सक्रिय सहभागिता से जल संरक्षण हेतु नवा तरिया निर्माण के लिए स्थलों का चिन्हांकन किया गया तथा निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने की ठोस कार्ययोजना तैयार की गई। मनरेगा के तहत कार्यों में तेजी लाते हुए प्रगतिरत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा मांग आधारित नए कार्य प्रारंभ करने पर विशेष जोर दिया गया।

आई-गॉट में सभी विभागों को ऑन-बोर्ड होना जरूरीः मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य शासन के सभी विभाग के प्रमुख अधिकारियों से कहा है कि वे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आई-गॉट ट्रेनिंग कार्यक्रम से अपने विभाग को अनिवार्य रूप से ऑन-बोर्ड कर लें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग ऑन-बोर्ड हो जाये मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को भी अपने मोबाईल से ऑन-बोर्ड होने को कहा है। राज्य

शासन के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को उनकी आवश्यकता अनुसार विभागीय स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षित किया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि वे अपने-अपने विभाग की आवश्यकता अनुसार अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स तय कर लें, जिससे उन्हे प्रशिक्षित किया जा सके। आज आई-गॉट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत साधना सप्ताह के मौके पर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को कर्मयोगी मिशन के तहत प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य शासन के विभागों के प्रमुख अधिकारी सहित विभागीय सचिव, संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव, अनुभाग अधिकारी शामिल हुए।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स : कोमालिका बारी से अंजलि मुंडा तक

भविष्य की प्रतिभाओं की मजबूत पाइपलाइन दिखाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 ने देशभर के जनजातीय समुदायों के खिलाड़ियों को एक साझा मंच पर एकत्रित किया, जहाँ अलग-अलग स्तर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुछ के लिए यह बहु-खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का पहला अनुभव था, तो कुछ के लिए यह उनके उभरते हुए करियर का अगला महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

इस उद्घाटन संस्करण में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ियों ने नौ खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा की। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर थे, जबकि पारंपरिक खेलों जैसे मल्लखंभ और कबड्डी को प्रदर्शन खेलों के रूप में शामिल किया गया।

भारत जहां 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की संभावित मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर रहा है, ऐसे में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने विविध जनजातीय पृष्ठभूमि के खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और विभिन्न खेलों में भारत की बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। ये खेल

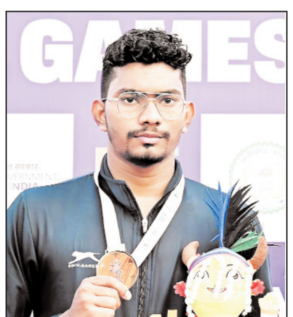

छत्तीसगढ़ के तीन शहरों—रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर—में आयोजित किए गए।यहाँ कुछ ऐसे खिलाड़ियों की झलक प्रस्तुत है जो पहले से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव छोड़ रहे हैं, और कुछ ऐसे भी जिन्होंने भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन की संभावना दिखाई है।

खेलों के सबसे सफल खिलाड़ी के रूप में उभरे मणिकांता एल ने तैराकी प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर कर्नाटक को समग्र चैंपियन बनने की मजबूत नींव दी। 21 वर्षीय मणिकांता पहले भी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पदक जीत चुके हैं और आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी तैयारी के तहत उन्होंने कई स्पर्धाओं में भाग लिया। 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक विशेषज्ञ मणिकांता ने अधिकांश रेस में अपना दबदबा कायम रखा। उनका मानना है कि यहां का प्रदर्शन उन्हें एशियाई खेलों के क्वालिफिकेशन के लिए और अधिक फोकस के साथ तैयारी करने का आत्मविश्वास देगा। ओडिशा के जाजपुर जिले की 15 वर्षीय अंजलि मुंडा तैराकी प्रतियोगिता की सबसे चमकदार उभरती सितारों में से एक रहीं। उन्होंने 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले, 100 मीटर बैकस्ट्रोक, 50 मीटर बैकस्ट्रोक और 4×100 मेडले में कुल पांच स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि अपने से कहीं अधिक उम्र के खिलाड़ियों को पछाड़ने की क्षमता भी दिखाई।

ट्रैफिक समस्याओं को लेकर आप पार्टी ने कमिश्नर संजीव शुक्ला को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। आम आदमी पार्टी की टीम ने आज कार्यकारी जिलाध्यक्ष रायपुर सागर क्षीरसागर के नेतृत्व में ट्राफिक समस्याओं को लेकर रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ला को ज्ञापन दिया। और उनके द्वारा उठाये जा रहे कदम की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर बनने के बाद कई सड़को को चौड़ीकरण किया जा चुका है एक्सप्रेसवे बनाये गए शासन ने हर संभव प्रयास किया लेकिन शहर की ट्रेफिक व्यवस्था जस की तस बनी हुई है उस व्यवस्था को ठीक करने के लिए कमिश्नर सर ने बेहद ही अच्छा कदम उठाया था लेकिन किस दबाव में उस निर्णय को शिथिल कर दिया गया यह समझ से परे है

आपको बता दे कि आज एम जी रोड, राठौर चौक,अग्रसेन चौक, भैंसथान , फाफडीह,रेलवे स्टेशन मार्ग,चुना भट्टी ,गुढ़ियारी , कर्मा चौक, रामनगर,नहरपरा,संजय गांधी चौक, गुरुद्वारा स्टेशन रोड,मालवीय रोड इन सभी मार्गो पर शाम होते ही भयंकर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है कई बार एम्बुलेंस को रास्ता नही मिलता।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मिहिर कुर्मी ने बताया कि इन सभी मार्गो पर छोटे मालवाहक वाहनों सरपट दौड़ते है जो कि शहर की भीतर स्थित ट्रांसपोर्ट जो अन्य जिलों के लिए ट्रांसपोटिंग करते है वंहा तक जाते है शहर के अंदर ही अन्य राज्यों के भी ट्रांसपोर्ट भी है और वे सभी शहर के बीचो बीच संचालित हो रहे है इन्हें शहर से बाहर करने के लिए कई उपाय किये गए जैसे कि बेरिकेट्स लगवाना अन्य अन्य बेहद उपाय किये गए लेकिन राजनीतिक दबाव में यह सफल नही हो सके जबकि रावाभटा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए बनया गया था लेकिन वह भी खाना पूर्ति ही रहा और ट्राफिक की समस्या जस की तस बनी हुई है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.